सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

नवागत मंडलायुक्त संगीता सिंह का अधिकारियों ने किया स्वागत पेज: 4

सगाई और रिलेशनशिप को लेकर पूजा बेदी ने की..... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 141 | बुधवार 26 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

एक क्लिक पर मिलेगी डाक सेवा, तकनीक के साथ जनसेवा के नए युग में प्रवेश कर रहा भारतीय डाक: ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारतीय डाक देश की पुरानी और सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में से एक है, जो अब बदलते समय के साथ तकनीक और नवाचार को अपनाते हुए 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को नए स्वरूप में ढाल रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया और, डाक सेवा ऐप और 14 नवीनीकरण किए गए डाकघरों के शुभारंभ के अवसर पर डाक विभाग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारतीय डाक के लिए केवल कुछ नई पहलों के शुभारंभ का दिन नहीं, बल्कि देश की सबसे विश्वसनीय संस्थाओं में से एक की विरासत को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने का अवसर है।

मिसाइल निर्माण में बड़ी छलांग, भारतीय उद्योगों को मिलेगी डीआरडीओ की तकनीक

नई दिल्ली एजेंसी: भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (ड-ीआरडीओ) द्वारा विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की तकनीक भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है। इसके बाद निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाली भारतीय कंपनियां देश में ही इन मिसाइल प्रणालियों का उत्पादन कर सकेंगी। इस फैसले से भारतीय सेनाओं की युद्धक तैयारी मजबूत होने और उन्हें आवश्यक मिसाइलों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने की उम्मीद है। अनुसंधान से उत्पादन तक तेज होगी यात्रा रक्षा मंत्रालय के इस फैसले को भारत के मिसाइल निर्माण क्षेत्र में

अनुसंधान से औद्योगिक उत्पादन तक की यात्रा को तेज करने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ड-ीआरडीओ द्वारा विकसित तकनीक को उद्योगों तक पहुंचाने से प्रमाणित प्रणालियों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की प्रक्रिया को गति मिल सकती है। विदेशी निर्भरता कम करने पर जोर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल स्वदेशी हथियारों का विकास और इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि उनके उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला को भी देश के भीतर विकसित करना है। मिसाइल तकनीक के हस्तांतरण से घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने, विदेशी निर्भरता कम करने और भारतीय रक्षा उद्योग को मजबूत बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। डीआरडीओ विकसित करेगा तकनीक, उद्योग करेगा उत्पादन अब तक उन्नत मिसाइल प्रणालियों के विकास में डीआरडीओ की प्रमुख भूमिका रही है। नई व्यवस्था के तहत डीआरडीओ द्वारा विकसित तकनीक

डीआरडीओ अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान.....

तकनीक हस्तांतरण से डीआरडीओ अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेगा, जबकि प्रमाणित तकनीकों को भारतीय उद्योगों के माध्यम से उत्पादन के स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा।

निर्धारित योग्यता, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करने वाले भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित की जाएगी। इससे विकास और परीक्षण के बाद मिसाइल प्रणालियों को औद्योगिक स्तर पर उत्पादन में बदलने की प्रक्रिया आसान होगी। एमएसएमई के लिए खुलेंगे नए अवसर इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू भारतीय रक्षा उद्योग में छोटी और मध्यम कंपनियों की भागीदारी बढ़ाना भी है। मिसाइल निर्माण की आपूर्ति श्रृंखला में विभिन्न उपकरणों, कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों, विशेष सामग्रियों और तकनीकी घटकों की जरूरत होती है। ऐसे में भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। मजबूत होगा घरेलू औद्योगिक आधार सरकार का उद्देश्य रक्षा उत्पादन के लिए ऐसा मजबूत घरेलू औद्योगिक आधार तैयार करना है, जिसमें बड़ी कंपनियों के साथ एमएसएमई और अन्य तकनीकी भागीदार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। यह कदम ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब भारत अपने रक्षा उत्पादन को लगातार बढ़ाने और उन्नत सैन्य प्रणालियों के निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नई तकनीक विकसित करने पर डीआरडीओ का फोकस तकनीक हस्तांतरण से डीआरडीओ अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेगा, जबकि प्रमाणित तकनीकों को भारतीय उद्योगों के माध्यम से उत्पादन के स्तर तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे नई तकनीक विकसित करने और उसे सेनाओं के लिए

चीनी की कीमत बढ़ने पर शिवराज का संदेश: चिंता न करें, इंतजाम किए जा रहे हैं

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन का एक दिन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, होनहार छात्रों को सम्मानित किया और केंद्र सरकार की योजनाओं के लागू होने की समीक्षा की। हालांकि, चीनी की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी पर चौहान की एक संक्षिप्त टिप्पणी उनके दौरे की मुख्य चचाओं में से एक बन गई। ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के बाद, जब चौहान वहां से निकल रहे थे, तो उनसे चीनी की बढ़ती कीमतों के बारे में पूछा गया। केंद्रीय मंत्री ने संक्षेप में जवाब देते हुए कहा, "इंतजाम किए जा रहे हैं;

चिंता न करें।" सरकारी गर्ल्स कॉलेज में मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण प्रतिभाशाली बेटियों की शिक्षा नहीं रुकनी चाहिए। कॉलेज में एक हेल्प डेस्क बनाई गई है ताकि छात्रों को अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप स्कीम के बारे में जानकारी मिल सके, जिसमें पात्रता की शर्तें, आवेदन प्रक्रिया और डॉक्यूमेंट अपलोड करने जैसी बातें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने जिले भर के सरकारी कॉलेजों की छात्राओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत भी की और उनसे तय समय के भीतर अपनी स्कॉलरशिप का आवेदन पूरा करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान, 10वीं और 12वीं बोर्ड पर-ीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को लैपटॉप और प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। बाद में चौहान ने रिबन काटकर कॉलेज में नई बनी कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। उन्होंने सुविधा का निरीक्षण किया और छात्रों से बातचीत की। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत, केंद्रीय मंत्री ने कॉलेज परिसर में एक पौधा भी लगाया और लोगों से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आग्रह किया। इसके बाद चौहान रायसेन कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने ज़िला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता और ज़िला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी समेत कई अधिकारी शामिल हुए।

2027 गोवा चुनाव में ई20 पेट्रोल बना मुद्दा ! केजरीवाल का ऐलान हमारी सरकार बनी तो 5 दिन में करेंगे बैन

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को वादा किया कि अगर 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी गोवा में सरकार बनाती है, तो वे पांच दिनों के भीतर ई20 पेट्रोल पर रोक लगा देंगे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी-शासित राज्य के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान एक ई20 टाउन हॉल में यह वादा किया। केजरीवाल ने कहा कि अगर 10 मार्च 2027 के बाद गोवा में हमारी सरकार बनती है, तो राज्य में इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की बिक्री पर पांच दिनों के भीतर रोक लगा दी जाएगी। वरना, मैं राजनीति छोड़ दूंगा। इस वादे ने गोवा में ई20 पेट्रोल के विरोध को जल्द होने वाले चुनाव का मुद्दा बना दिया है; गोवा की 40

सीटों वाली विधानसभा में एएपी के दो सदस्य हैं। राज्य में मार्च 2027 में वोटिंग होने की उम्मीद है। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्र सरकार की ई20 फ्यूल पॉलिसी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का इस्तेमाल करने से चीनी की कीमतें बढ़ी हैं और गाड़ी मालिकों को परेशानी हो रही है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने लोगों तक पहुँचने के लिए एक पहल की घोषणा की। इसमें इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के तकनीकी और आर्थिक असर पर चर्चा करने के लिए कल दोपहर 3 बजे होने वाला ह्याटाउन हॉल कार्यक्रम भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ई20 फ्यूल के मुद्दे पर लोगों की राय जानने के लिए एक व्हाट्सएप नंबर जारी करेगी। इंडस्ट्री की चिंताओं के बावजूद स-रकार के ई20 लागू करने पर जोर देने पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने पूछा, "जब भारत 'नहीं' कह रहा है, तो भी पीएम मोदी ई20 के लिए क्यों जोर दे रहे हैं? सियाम (सोसा-इटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स) ने गाड़ियों पर ई20 के असर को लेकर चिंता जताई थी और पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों के लिए विकल्प की मांग करते हुए एक रिपोर्ट सौंपी थी। एक हफ़्ते के अंदर ही सियाम को वह रिपोर्ट वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे इंडस्ट्री से जुड़े लोगों पर दबाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।" केजरीवाल ने आगे दावा किया कि कई ऑटोमोबाइल कंपनियां नए फ्यूल स्टैंडर्ड्स का समर्थन करने में हिचकिचा रही थीं।

सुप्रीम कोर्ट की पत्रकार को बड़ी राहत, राम मंदिर चंदा विवाद रिपोर्ट के बाद दर्ज प्राथमिकी पर मिली अंतरिम सुरक्षा

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पत्रकार अभिषेक उपाध्याय को गिरफ़्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी। उपाध्याय ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ियों पर रिपोर्ट की थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने उत्तर प्रदेश पुलिस को निर्देश दिया कि वे उपाध्याय को प्राथमिकी की कॉपी सौंपें। कोर्ट ने उनसे यह भी कहा कि वे प्राथमिकी को रद्द कराने और दूसरी उचित राहत पाने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट जाएं। उपाध्याय ने गाज़ियाबाद पुलिस द्वारा सड़क पर हुई एक कथित मारपीट की घटना (रोड-रेज) के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनकी याचिका के अनुसार, यह प्राथमिकी इन आरोपों पर दर्ज की गई थी कि उन्होंने सड़क पर हुई मारपीट की घटना के बाद एक व्यक्ति के साथ मारपीट की और उसे

धमकाया था। उपाध्याय का आरोप है कि यह मामला मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित था और इसका मकसद उनके स्वतंत्र पत्रकारिता के काम की वजह से उन्हें परेशान और डराना-धमकाना था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि अनुरोध करने के बावजूद उन्हें प्राथमिकी की कॉपी नहीं दी गई। पत्रकार ने यह भी दावा किया है कि पुलिस आस-पास के दुकानदारों पर उस समय का सीसीटीवी फुटेज डिलीट करने का दबाव डाल रही थी, जब कथित घटना हुई थी। उन्होंने प्राथमिकी को रद्द करने या फिर जांच को उत्तर प्रदेश पुलिस के अलावा किसी दूसरी एजेंसी को सौंपने की मांग की है। उपाध्याय की यह याचिका अयोध्या में राम मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करने और उसके प्रबंधन में कथित गड़बड़ियों पर उनकी रिपोर्टिंग के संदर्भ में आई है।

मंदिर के चंदे से जुड़े आरोपों का मामला सुप्रीम कोर्ट में भी उठा है, जहां श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़ी कथित वित्तीय गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली याचिकाएं दायर की गई हैं। डोनेशन से जुड़े मामलों पर दायर याचिकाओं में भक्तों से मिले फंड के मैनेजमेंट, अकाउंटिंग और इस्तेमाल को लेकर आरोप लगाए गए हैं

तमिलनाडु विधानसभा में छिड़ा सियासी संग्राम, परंदूर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पर टीवीके और डीएमके में तीखी जुबानी जंग

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु विधानसभा सत्र के दौरान, सत्ताधारी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' और विपक्षी पार्टी डीएमके के बीच प्रस्तावित परंदूर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को रद्द करने को लेकर बहस हुई। विजय की पार्टी ने विपक्षी पार्टी पर 'जी स्क्वायर माप्पिलाई' वाली टिप्पणी की, जिसके जवाब में डीएमके ने लॉ-टरी दामाद वाली बात कही। यह घटनाक्रम तब हुआ जब टीवीके सरकार ने कांचीपुरम ज़िले के परंदूर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट की योजना रद्द होने के बाद, चेन्नई के पास एक नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की योजना का ऐलान किया। परंदूर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए तमिलनाडु के कानून मंत्री निर्मल कुमार ने उन लोगों का ज़िक्र करते हुए "जी स्क्वायर माप्पिलाई" का नाम लिया, जिन्हें कथित तौर पर इससे फायदा हो रहा था। जमीन अधिग्रहण के मामले में, राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री आधव अर्जुन ने आरोप लगाया कि परंदूर एयरपोर्ट की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट की घोषणा से पहले ही एक खास राजनीतिक पार्टी से जुड़े रियलटर्स ने जमीन के बड़े हिस्से खरीद लिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने यह भी दावा किया कि एक खास कंपनी ने परंदूर के आस-पास जमीन खरीदी थी और वह रियल एस्टेट के कामों में शामिल थी। विजय ने इस प्रोजेक्ट को रद्द करते समय किसानों पर पड़ने वाले असर और इलाके के लोगों के विस्थापन का हवाला दिया और कहा कि वह एयरपोर्ट के खिलाफ पूरी तरह से उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने वादा किया था कि अगर टीवीके सत्ता में आई तो इस प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया जाएगा। वहीं, डीएमके ने आरोप लगाया कि टीवीके सरकार ने जो नया एयरपोर्ट दूसरी जगह बनाने का ऐलान किया

बिहार में सीएम सम्राट चौधरी ने शुरू किए 'स्टूडेंट सपोर्ट कैंप', शिकायतों का होगा तुरंत समाधान

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छात्रों की शिकायतों, समस्याओं और सुझावों का तेजी से समाधान करने के लिए एक नई पहल, स्टूडेंट सपोर्ट कैंप शुरू करने की घोषणा की। ये कैंप हर महीने के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में लगाए जाएंगे, ताकि छात्रों को स-रकार और संबंधित अधिकारियों के सामने सीधे अपनी बात रखने का मंच मिल सके। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने बताया कि छात्र "स्-टूडेंट सपोर्ट पोर्टल" और हेल्पलाइन नंबर 1100 के जरिए ऑनलाइन शिकायतें भी दर्ज करा सकेंगे और अपनी शिकायतों पर हुई कार्रवाई की स्थिति भी जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि हर छात्र की बात सुनी जाए, हर समस्या का समाधान हो झ यही संकल्प है, यही प्रयास है। इस पहल का मकसद यह पक्का करना है कि छात्रों की शिकायतों का समय पर समाधान हो। इसके लिए हर महीने लगने वाले कैंप, ऑनलाइन पोर्टल और हेल्पलाइन के जरिए सीधे

बातचीत की सुविधा दी जाएगी। इससे पहले, चौधरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य भर के 700 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों के लिए 24 घंटे चलने वाला, आमने-सामने बातचीत करने वाला प्लेटफॉर्म बिहार विद्या साथी लॉन्च किया था। एक प्रेस रिलीज के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इसे छात्रों को अच्छी शिक्षा और मार्गदर्शन देने की दिशा में एक अहम कदम बताया। चौधरी ने कहा कि बिहार विद्या साथी के जरिए छात्र अपनी पढ़ाई से जुड़े सवालों के जवाब कभी भी और क-हीं से भी पा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म से 38 ज़िलों के 9वीं से 12वीं कक्षा के लगभग 3,00,000 छात्रों को सीधे फायदा होगा।

इससे छात्र 75,000 शिक्षकों से सीधे जुड़ सकेंगे और अपनी पसंद के शिक्षक चुनकर उनसे व्यक्तिगत रूप से पढ़ाई में मदद ले सकेंगे। 9वीं और 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए सभी विषयों का डिजिटल स्टडी मटीरियल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, 11वीं और 12वीं कक्षा के साइंस स्ट्रीम के छात्रों के लिए लाइव ट्यूटर सपोर्ट के साथ-साथ बिहार बोर्ड और जेईई और नीट की तैयारी के लिए डिजिटल मटीरियल भी उपलब्ध होगा।

घुसपैठियों और भगोड़े अपराधियों पर अब होगी डबल स्ट्राइक ! अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को दिये सख्त निर्देश

नई दिल्ली एजेंसी: भगोड़े अपराधियों को देश में वापस लाकर उन्हें न्याय के कठघरे में पहुँचाने तथा देश से घुसपैठियों को बाहर खदेड़ने के मोदी सरकार के अभियान को तेजी से आगे बढ़ा रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अब और सख्त निर्देश जारी कर दिये हैं। हम आपको बता दें कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर किसी भी तरह की ढिलाई को अस्वीकार्य बताते हुए अमित शाह ने सभी सुरक्षा और जांच एजेंसियों से घुसपैठ के खिलाफ कठोर कार्रवाई तेज करने को कहा है। साथ ही आतंकवाद, कट्टरपंथ, साइबर अपराध, नार्कोटिक्स और पाकिस्तान की छद्म युद्धनीति जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बेहतर एजेंसी समन्वय पर जोर दिया गया है। नई दिल्ली में आयोजित 9वें राष्ट्रीय स-ुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2026 का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि मल्टी-एजेंसी सेंटर के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सूचनाओं का एआई आधारित विश्लेषण किया जाए और उससे उभरने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार किए जाएं। उनका संदेश साफ है कि देश की सुरक्षा अब केवल पारंपरिक खतरों

से निपटने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि तकनीक, खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाई के जरिए दुश्मन की हर नई चाल का जवाब दिया जाएगा। आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ भी अमित शाह ने निर्णायक रणनीति पर जोर दिया। उन्होंने गृह मंत्रालय की प्रहार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण बढ़ाने,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया है कि मल्टी-एजेंसी सेंटर के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सूचनाओं का एआई आधारित विश्लेषण किया जाए और उससे उभरने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रभावी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार किए जाएं।

फरार अपराधियों को देश वापस लाकर मुकदमों में तेजी लाने और आवश्यकता पड़ने पर ट्रायल इन एब्सेंटिया यानी आरोपी की अनुपस्थिति में मुकदमे की कानूनी व्यवस्था के उपयोग को तेज करने के निर्देश दिए। गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के मामलों की जांच में भी अलग-अलग एजेंसियों के बजाय एक व्यापक और समन्वित दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया गया। हम आपको बता दें कि दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों पर मंथन हुआ। इनमें आतंकवाद विरोधी चुनौतियों से निपटने की रणनीति, मैक के जरिए खुफिया सूचनाओं का एकीकरण, विश्लेषण और ऑपरेशनल उपयोग, नशीले पदार्थों के खिलाफ विजन डॉक्यूमेंट, अवैध प्रवासियों की पहचान और निर्वासन, साइबर अपराध के खिलाफ नीति ढांचा तथा पाकिस्तान द्वारा छेड़े जा रहे प्रॉक्सी वॉर जैसे गंभीर विषय शामिल रहे। सम्मेलन में आतंकवाद, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, नार्कोटिक्स नेटवर्क, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन ऐप्स से पैदा हो रही चुनौतियां, घुसपैठ और अवैध आव्रजन पर भी विस्तृत चर्चा की जा रही है। इसके साथ ही विमानन और बंदरगाह सुरक्षा तथा आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को और मजबूत बनाने की रणनीति पर विचार किया गया।

संपादकीय

बीमार हैं स्कूल

देश के सरकारी स्कूलों की बदहाली किसी से छिपी नहीं है। जिस देश में एक लाख स्कूल एक ही शिक्षक के भरोसे चल रहे हों, मूलभूत शैक्षिक सुविधाओं का अभाव हो, वहां पढ़ाई का स्तर क्या होगा, अंदाज लगाना कठिन नहीं है। कुछ स्कूल जर्जर इमारतों में चल रहे हैं, कुछ पेड़ तले व बरामदों में- तो सवाल स्वाभाविक है कि सुधार क्यों नहीं होता? आखिर इन स्कूलों का सुधार हमारे नीति-नियंताओं की प्राथमिकताओं में क्यों नहीं होता? जिस शिक्षा विभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों की पूरी फौज तैनात है, उसकी जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? अब भले ही सरकारी स्कूलों को सीजेपी ने अपना मुद्दा बना लिया हो, लेकिन इससे

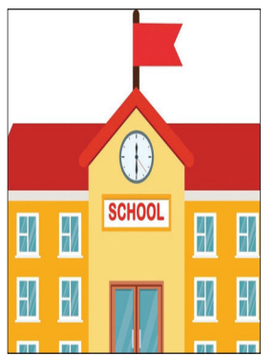

पहले ही देश के कई भागों में छात्र स्कूलों में सुधार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। विडंबना यह है कि इन स्कूलों पर ग्रामीण, समाज के वंचित वर्गों, श्रमिकों व गरीब बच्चों की निर्भरता अधिक होती है, फलतः उनकी आवाज भी अनसुनी कर दी जाती है। यदि नेताओं और अधिकारियों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में भर्ती अनिवार्य कर दी जाती तो शायद इन स्कूलों के दिन फिर जाते। सरकारी स्कूलों का सच किसी से छिपा नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े इस सच को अनावृत करते हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक दशक में पूरे देश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। साथ ही इसी अवधि में सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल भी 83 हजार से घटकर 79 हजार रह गये हैं। स्कूलों में छात्रों के दाखिले में कमी का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुनाफा कमा रहे निजी स्कूलों का कुनबा लगातार बढ़ ही रहा है। उनकी संख्या अब 2.9 लाख से बढ़कर 3.4 लाख के करीब हो गई है। यह एक हकीकत है कि सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर राजनीतिक दलों की जो फिक्र सामने आ रही है, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। इन दलों की सरकारों के दौरान भी इन स्कूलों की दिशा-दशा में कोई बड़ा बदलाव नजर नहीं आया।

चिंता इस बात को लेकर है कि इस मुद्दे पर जो राजनीति हो रही है, कहीं उसके चलते सुधार के विमर्श पर आंच न आए। सही मायने में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प होना चाहिए। इसमें शासन, प्रशासन, पक्ष-विपक्ष और नागरिकों की भी अहम भूमिका होनी चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि अभिभावकों से मोटी फीस लेने वाले निजी स्कूल क्यों फल-फूल रहे हैं? सरकारी स्कूलों के पास भवन हैं, पर्याप्त जगह है, सम्मानजनक पगार वाले शिक्षक हैं और सरकारी तंत्र का समर्थन है, तो ये स्कूल पनप क्यों नहीं रहे हैं? क्यों सरकारी स्कूलों में पानी, बिजली, बेंच, टेबल व शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं? बल्कि सुधारों के बजाय शिक्षकों की नियुक्ति में राजनेताओं की धांधली की खबरें अकसर मीडिया में तैरती रहती हैं। विडंबना देखिये कि पढ़ाई-लिखाई के लिये अनुकूल वातावरण की मांग को लेकर राजस्थान व उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विद्यार्थी सड़कों पर उतरे हैं। इन बच्चों को अपने भविष्य की फिक्र थी और ये स्कूलों में गुणवत्ता का शैक्षिक वातावरण मांग रहे थे। निश्चित रूप से हमारे नीति-नियंताओं ने सरकारी स्कूलों का उद्धार करने के लिये कभी कोई बड़ा अभियान नहीं चलाया। अब जब मुद्दा तूल पकड़ रहा है तो तमाम घोषणाएं की जा रही हैं। सही मायने में प्राथमिक शिक्षा किसी भी देश के भविष्य की बुनियाद होती है। जब इन स्कूलों में बीमार भविष्य वाले नागरिक तैयार करेंगे तो देश का भला कैसे होगा? दरअसल, सरकारी स्कूल हमारे समाज में व्याप्त आर्थिक विषमता का पर्याय हैं। जो लोग अपने बच्चों को महंगे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते हैं, वे ही अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिये मजबूर हैं। लेकिन सोचने वाली बात यह कि मिड-डे-मील जैसे प्रलोभनों से ये सरकारी स्कूल कब तक अपना अस्तित्व बना पाएंगे? कहीं न कहीं इन स्कूलों की अनदेखी करके हम एक बड़ी आबादी को शिक्षा के मौलिक अधिकार से वंचित तो नहीं कर रहे हैं?

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भूत को छोड़ो, वर्तमान और भविष्य की चिंता करो

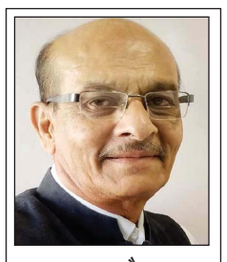

सनत जैन

भारत की राजनीति पिछले तीन दशकों से लगातार भूतों के सहारे चल रही है। कभी बोफोर्स, कभी 2जी, कभी कोयला घोटाला, कभी राम मंदिर, कभी स्वतंत्रता आंदोलन, कभी नेहरू-गांधी परिवार, कभी भारत-पाकिस्तान विभाजन और अब दशकों पुराने घटनाक्रमों की फाइलें खोलकर राजनीति को वर्तमान से हटाकर अतीत में धकेला जा रहा है। सवाल यह है, क्या भूतों को बार-बार कब्र से निकालने से देश का भविष्य बनेगा? बोफोर्स का मामला दशकों तक राजनीतिक हथियार बना रहा। जांच हुई, अरबों रुपए खर्च हुए, देश-विदेश में यात्राएं हुईं, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे। अंततः फाइल बंद करना पड़ी, क्योंकि कोई भी सबूत नहीं मिला। हां राजनीति से गांधी परिवार जरूर बाहर हो गया। 1989 से लेकर 2026 तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य सरकार के किसी पद पर नहीं रहा। यह सत्य है। इसी तरह मनमोहन सिंह सरकार के समय लगाए गए कई बड़े घोटालों के आरोप, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में अलग-अलग रूप में सामने आए। 2जी और कोयला आवंटन इसके उदाहरण हैं। कैग के तत्कालीन सर्वेसर्वा विनोद राय ने कथनी और करनी को लेकर क्षमा भी मांग ली। साजिश एवं राजनीति की इन घटनाओं से सबक लेने के बजाय उन्हें सत्ता तक पहुंचाने के लिए सीढ़ी बना लेने से आज देश स्वतंत्रता के समय की स्थिति में पहुंचने जा रहा है।

2012 के बाद तो जैसे अतीत ही राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। सवाल यह नहीं है, आज रोजगार कहां है, शिक्षा कैसी है, स्वास्थ्य व्यवस्था क्यों कमजोर है, किसानों की आय और युवाओं का भविष्य क्या होगा। करोड़ों डिग्रीधारी और असंगठित क्षेत्र के युवा बेरोजगार हैं। लाखों स्कूल बंद हो गए हैं। अनपढ़ों की जमात बढ़ती जा रही है। 35, 50 या 75 साल पहले किसने क्या गलती की थी? इस पर राजनीति हो रही है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य कैसे सुधरेगा? 1998 का जम्मू-कश्मीर वंधामा नरसंहार की जांच फिर से शुरू करने की चर्चा सामने आ रही है। उस घटना में 23 लोगों की हत्या हुई थी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय पहले भी दिया जा चुका है। सवाल यह है, न्याय और राजनीति के बीच की सीमा कौन तय करेगा? जो पहले हुआ है, वह सही है, या गलत है। सत्ता की लड़ाई में पुराने जख्मों को भरने के बजाय उन्हें कुरेदकर कश्मीरी पंडित बनाम मुसलमान के बीच एक नई खाई तैयार की जा रही है? भूत को न्याय देना, भूत के सहारे राजनीति करना यह दो अलग बातें हैं। जीवन का सबसे बड़ा सत्य यही है, जो चला गया, वह वापस नहीं आता। मृत्यु के बाद जीवन रुकता नहीं है। परिवार को आगे बढ़ना पड़ता है। बच्चों को भोजन चाहिए, शिक्षा चाहिए, रोजगार चाहिए। इसलिए मृत शरीर को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के रूप में विदा करके हम उसे भूलते हैं। यह कहने में कठोर लग सकता है, लेकिन यही जीवन का सत्य है। राष्ट्र भी इसी नियम से चलता है। भारत मे कब तक कब्रें खोद-खोदकर हम भूतों को निकालते रहेंगे?

आज देश में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम आदमी कर्ज बढ़ने से हैरान और परेशान है। 20 करोड़ लोगों के पास कोई काम नहीं है। रोजगार की चुनौती, कमजोर होती सार्वजनिक व्यवस्थाओं, बंद होते स्कूलों, महंगी शिक्षा, चिकित्सा और 80 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज, तथा सरकारी सहायता पर निर्भरता बुनियादी सवाल हैं। सामाजिक व्यवस्था धर्म और जाति के संघर्षों में उलझती जा रही है। देश की राजनीति बार-बार अतीत में लौट जाती है। जनरेशन-जी और जनरेशन-अल्फा इस राजनीति को अलग नजर से देख रही है। यह पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया के बीच पैदा होकर बड़ी हुई है। उसके लिए 50 साल पहले क्या हुआ, यह इतिहास है, उसके लिए आज नौकरी मिलेगी या नहीं, शिक्षा कैसी होगी, तकनीक उसके जीवन को कैसे बदलेगी, भविष्य सुरक्षित होगा या नहीं,यह उसकी वास्तविक चिंता है। नई पीढ़ी अपने मां-बाप से कह रही है, आपने जो किया, वह इतिहास बन गया है। हमारी आज की जरूरतें पूरी करें। यदि आप हमारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते हैं, तो अपना भविष्य हम स्वयं बनाएंगे। यह संदेश सत्ता और व्यवस्था में बैठे लोगों को समझना होगा।

न्यायपालिका को भी समझना होगा। भारतीय संविधान ने मौलिक अधिकारों के साथ नागरिक अधिकार पैदा किए हैं। ध्यान रखना होगा, भूख और बेरोजगारी का कोई धर्म नहीं होता है। खाली पेट की भीड़ को धर्म एवं इतिहास नहीं, रोटी पानी की जरूरत होती है। बेरोजगार युवा को पुरानी लड़ाइयां नहीं, वर्तमान में रोजगार और नौकरी चाहिए। बीमार व्यक्ति को भाषण नहीं, चिकित्सा के लिए अस्पताल चाहिए। विद्यार्थी को अतीत की बहस नहीं, अच्छी शिक्षा के अवसर चाहिए। सत्ता में बने रहने के लिए यदि हर बार नया भूत निकाला जाएगा। एक दिन वर्तमान सत्ता इतनी कमजोर हो जाएगी। भविष्य के लिए उसके पास कुछ नही बचेगा। सबसे बड़ा खतरा यही है। भूतों के साथ रहते-रहते भूत न बन जाएं। भारत की राजनीति को अब भूत से निकालकर वर्तमान और भविष्य के लिए प्रयोग शालाओं, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और रोजगार तकनीकी और शोध के मैदान में सारी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए मैदान में आना होगा। अतीत से सीखना जरूरी होता है, अतीत में रहना आत्मघाती होता है। समय गतिशील है, वर्तमान और भविष्य भी इस गतिशीलता से बदलता है। अतीत मे अटक कर वर्तमान और भविष्य को खो देते हैं। भूतों को इतिहास के पन्नों में रहने दीजिए, वर्तमान को बचाइए। भविष्य का निर्माण वर्तमान से जुड़ने पर होगा। यही वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है।

मदर टेरेसाः गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी

क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

अमरोहा
बुधवार 26 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

अमरोहा में 5 किलो मिठाई नष्ट, खोवा-मिल्क केक के नमूने लिए

रक्षाबंधन से पहले मिलावट पर खाद्य विभाग की छापेमारी

अमरोहा (सब का सपना):- रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए अमरोहा में खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट हो गया है। मिलावटी मिठाइयों की बिक्री रोकने के लिए जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य विभाग की टीमों ने मंगलवार को आदमपुर रोड स्थित गारापुर अड्डे और उझारी क्षेत्र में कई प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ और जिलाधिकारी अमरोहा के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में सचल दल ने गारापुर अड्डे स्थित जय श्री श्याम स्वीट्स का निरीक्षण किया। जांच के दौरान करीब 5 किलोग्राम मिठाई को मौके पर ही नष्ट कराया गया। टीम ने खोवा और मिल्क केक के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। इसके बाद टीम चामुंडा-कनैटा रोड, उझारी स्थित अफजाल डेयरी पहुंची, जहां से पनीर का नमूना लिया गया। अधिकारियों ने कारोबारियों को साफ-सफाई और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि सभी नमूने प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। टीम में प्रभारी मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरविंद कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश कुमार और मनोज कुमार कलश्यान शामिल रहे।

बछरायूं पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की धनौरा तहसील के थाना बछरायूं पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया है। पुलिस द्वारा इस कार्रवाई को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार जनपद भर में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किया गया है। बता दें कि बछरायूं थाना क्षेत्र के ग्राम ढाकोवाली में एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में वांछित चल रहे दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है जिसके बाद उन्हें विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक,यह घटना 21 अगस्त 2026 को बछरायूं थाना क्षेत्र के ढाकोवाली गांव में हुई थी। पीड़िता श्रीमती मुकेश ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गांव के दुर्योधन और पंकज ने उनके 26 वर्षीय पति राकेश के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस हमले में गंभीर चोटें आने के कारण राकेश की मौके पर ही मौत हो गई थी।पीड़िता की शिकायत पर बछरायूं पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी।विवेचना के दौरान, मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। टीम ने दोनों नामजद आरोपियों दुर्योधन (38 वर्ष) पुत्र तेजपाल सिंह और पंकज (22 वर्ष) पुत्र रामकिशन को ढाकोवाली गांव से गिरफ्तार कर लिया।इस गिरफ्तारी अभियान में थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान, उप-निरीक्षक शहजाद अली, कांस्टेबल रक्षित चौधरी और कांस्टेबल हिमांशु यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने दोहराया है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता ने एसपी को सौंपा पत्र, सुरक्षा की मांग

हलाला प्रथा में बदलाव की मांग पर मिली धमकी

अमरोहा (सब का सपना):- केंद्रीय लोक शिकायत निवारण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अधिवक्ता आलम मलिक को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। परिषद के पदाधिकारियों ने मंगलवार को एसपी अमरोहा को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार आलम मलिक को पाकिस्तान का विरोध करने और हलाला जैसी प्रथा में बदलाव की मांग उठाने के कारण धमकी मिली है। बताया गया है कि धमकी पाकिस्तान से दी गई है। इस संबंध में थाना अमरोहा देहात में मुकदमा भी पंजीकृत कराया जा चुका है। परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि आलम मलिक एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता हैं जो सामाजिक सुधार और जनहित के मुद्दों पर आवाज उठाते रहते हैं। अपनी बात रखना प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। मिली धमकी उनके व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सामाजिक कार्यों के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। पदाधिकारियों ने एसपी से शीघ्र पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि सुरक्षा नहीं मिलने पर संगठन आंदोलन व अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

धनौरा में विशेष साफ सफाई को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने चेयरमैन को सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनोरा में आगामी ईद मिलादुन्नबी के त्योहार पर नगर में विशेष साफ सफाई को लेकर मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि मंडल ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल को एक ज्ञापन सौंपा।जिसमें उन्होंने आगामी 26 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले ईद मिलादुन्नबी त्योहार पर संपूर्ण नगर में साफ सफाई को लेकर विशेष अपील की। बता दें कि मंगलवार को मंडी धनौरा में ईद मिलादुन्नबी से पहले विशेष सफाई व्यवस्था की मांग को लेकर मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल से मुलाकात की। 'अंजुमन-ए-गुलामाने मुहम्मद' कमेटी के सदस्यों ने नगर पालिका सभागार में चेयरमैन को एक ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में बताया गया कि ईद मिलादुन्नबी का त्योहार 26 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। इस अवसर पर हर साल की तरह इस बार भी शहर में 'जुलूस-ए-मोहम्मदी' निकाला जाएगा। यह जुलूस मदरसा गौसिया वारिस अल उलूम से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए दरगाह कमाल शाह पर समाप्त होगा।कमेटी ने जुलूस मार्ग और त्योहार के दौरान सड़कों पर भीड़ को देखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाने की मांग की है। उन्होंने जुलूस के निर्धारित पूरे मार्ग और शहर की प्रमुख मस्जिदों के आसपास व्यापक स्तर पर सफाई कराने का आग्रह किया।इसके अतिरिक्त, सड़कों और नालियों के किनारों पर चूने व कीटनाशक दवाओं का छिड़काव सुनिश्चित करने की भी मांग की गई, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने ज्ञापन का संज्ञान लिया और आश्वासन दिया कि त्योहार के मद्देनजर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही। इस अवसर पर वरिष्ठ सभासद आलम शेख, हाफिज इसरार कमाल शाह वाले, एहसान मंसूरी, फहीम साबरी, फहीम अंसारी, शाकिर मंसूरी, सभासद राजा, सभासद अनवार सैफी, डॉक्टर अनीस अहमद, रहीस अहमद इकबाल, आजाद अहमद और इब्राहिम सैफी , मोनू मंसूरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गजरौला में स्कूल बस ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर हादसे में ईरिक्शा चालक व छात्रा घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में फाजलपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार को एक पब्लिक स्कूल की बस ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक और एक छात्रा घायल हो गए। ई-रिक्शा में कुल छह छात्राएं सवार थीं। टक्कर के बाद ई-रिक्शा सड़क किनारे एक खोखे से टकराकर रुक गया। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि ई-रिक्शा खोखे से नहीं टकराता तो वह पास के नाले में गिर सकता था जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती थी। हादसे में घायल छात्रा की पहचान ज्ञान भारती इंटर कॉलेज की स्वाति के रूप में हुई है। ई-रिक्शा चालक संदीप भी इस घटना में घायल हुआ है।दोनों घायलों को उपचार के लिए गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई है।हादसे की वास्तविक वजह और स्कूल बस के संचालन में नियमों के पालन की स्थिति जांच के बाद स्पष्ट होगी।

धनौरा क्षेत्र में तेंदुए की चहलकदमी बरकरार,क्षेत्रीय लोगों में दहशत

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में इन दोनों तेंदुए की दहशत लगातार बरकरार है जिससे लोगों में दहशत भी बनी हुई है। लोगों में दहशत की वजह से उनका देर-सवेर अपने खेतों पर भी निकलना दूभर हो गया है।आए दिन क्षेत्र में कहीं ना कहीं के तेंदुए से जुड़ी वीडियो वायरल हो रहीं हैं। उन्हीं वीडियो से जुड़ा एक ताजा मामला मंगलवार को थाना क्षेत्र के गांव कटपुर का सामने आया, जहां पर एक तेंदुआ सड़क पर टहलता दिखाई दिया। इस दौरान गांव निवासी किसान राजीव प्रधान ने अपनी गाड़ी में सुरक्षित बैठे-बैठे उस तेंदुए का वीडियो बना लिया। उस वीडियो के क्षेत्रीय लोगों के सामने आने के बाद उनमें डर और भी बढ़ गया है। उधर वन विभाग की टीम भी तेंदुए की लगातार चहल कदमी के चलते गस्त पर है। बता दें कि इस मामले में राजीव प्रधान से प्राप्त जानकारी के अनुसार, वह किसी काम से सड़क से गुजर रहे थे, तभी उनकी नजर तेंदुए पर पड़ी। तेंदुए को सड़क पर देखकर उन्होंने वाहन रोक लिया और अंदर बैठे-बैठे मोबाइल से उसका वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में तेंदुआ सड़क पर सामान्य तरीके से चलता दिखाई दे रहा है। कुछ दूरी तय करने के बाद वह खेत की ओर मुड़ गया और वहां से जंगल की तरफ चला गया।ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र के कई गांवों में तेंदुए की मौजूदगी देखी जा रही है। चोखट, शहजादपुर, सेरकपुर, पेली तगा और कपसुआ में भी तेंदुआ दिखाई देने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन इलाकों में तेंदुए द्वारा कई पालतू पशुओं को शिकार बनाए जाने की बात भी ग्रामीणों ने कही है। इससे पशुपालकों में चिंता बनी हुई है।लगातार तेंदुआ दिखाई देने से किसानों में भी भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में काम करने के दौरान तेंदुए के सामने आने का खतरा बना रहता है। इसी वजह से कई किसान अकेले खेतों में जाने से बच रहे हैं। पशुपालक भी अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं और शाम के बाद विशेष सावधानी बरत रहे हैं।मंडी धनौरा के वन रेंजर अवनीश कुमार ने बताया कि तेंदुए की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है। तेंदुए को पकड़ने के लिए संवेदनशील स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं। उन्होंने ग्रामीणों और किसानों से अपील की है कि वे अकेले खेतों में न जाएं, समूह में काम करें और तेंदुए की गतिविधि दिखाई देने पर सतर्क रहें। वन विभाग की टीम स्थिति पर लगातार नजर रख रही है।

नवचयनित प्राविधिक सहायकों को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र

नियुक्ति पत्र पाकर खिले नवचयनित प्राविधिक सहायकों के चेहरे

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक (ग्रुप-सी) के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नवचयनित अभ्यर्थियों को जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और देवेंद्र खड़गवंशी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में इंदिरा गांधी प्रविष्ठान लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में चयनित मुकुल चड्ढा, निकिता यादव, मीनाक्षी, रिकू सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, यज्ञदत्त शर्मा, बिलाल अहमद, एसवीर, किशन पाल सिंह, तरुण कुमार एवं सुमित कुमार को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।नियुक्ति पत्र पाकर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के चहरे खिल उठे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सभी नवचयनित प्राविधिक सहायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकारी सेवा में चयन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। सभी नवचयनित कार्मिक पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा किसानों एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों तक शासन की योजनाओं एवं कृषि संबंधी सुविधाओं का प्रभावी ढंग से लाभ पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने नवचयनित प्राविधिक सहायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र जनपद की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने सभी से पूरी जिम्मेदारी, संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने की बात कही।

देवेंद्र खड़गवंशी ने भी नवचयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चयनित अभ्यर्थी पूरी लगन एवं ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए जनसेवा को प्राथमिकता दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, देवेंद्र खडगवंशी, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार एवं विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने 200 किलोग्राम सोनपापड़ी कराई नष्ट

असमोली/संभल(सब का सपना):- आगामी रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापरक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रवर्तन टीम ने असमोली क्षेत्र के ग्राम बिलालपत में सोनपापड़ी निर्माणशाला का निरीक्षण किया। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-।। मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने मौलाना आसिफ पुत्र अख्तर की सोनपापड़ी निर्माणशाला की जांच की। निरीक्षण के दौरान मानव उपभोग एवं बिक्री के लिए रखे सोनपापड़ी, रिफाइंड पामोलिन ऑयल और मैदा की गुणवत्ता पर संदेह होने पर तीनों खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है। निरीक्षण के दौरान सोनपापड़ी का भंडारण अस्वच्छ स्थिति में पाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मौके पर मौजूद करीब 200 किलोग्राम सोनपापड़ी को नष्ट करा दिया। इसके साथ ही निर्माणशाला में गंदगी और अन्य अनियमितताएं मिलने पर संचालक को नोटिस जारी किया गया। अधिकारियों ने निर्माणशाला संचालक को साफ-सफाई सहित सभी कमियों को दूर करने के बाद ही खाद्य निर्माण का संचालन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के मुताबिक प्रयोगशाला से नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड-।। मानवेन्द्र सिंह के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव कुमार और सुधीर कुमार मौजूद रहे।

इस रक्षाबंधन, एक और बंधन निभाएं- स्वच्छता का अभियान के अंतर्गत छात्राओं ने सफाई सैनिकों को बांधी राखी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद गजरौला द्वारा आयोजित "इस रक्षाबंधन, एक और बंधन निभाएं- स्वच्छता का" अभियान के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय अवंतिका नगर में छात्राओं ने सफाई सैनिकों को राखी बांधकर सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। विद्यालय की छात्राओं प्रियंका, स्वाति, अनु, राधिका, कोमल, एलिना, मिस्बाह, सिफा, महक, मानसी, रुकैया, आलिया, नेहा सहित अन्य ने सफाई सैनिकों की कलाई पर राखी बांधी। छात्राओं ने कहा कि सफाई सैनिक हमारे शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनका सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर आईटीसी कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह, निखिल, दीपू कुमार, दिनेश कुमार, सफाई नायक महेश, प्रधान अध्यापिका रेखा रानी, अध्यापिकाएं आकांक्षा मिश्रा, मीना, शशिबाला, पंकज त्यागी, ईशा एवं अन्य कर्मचारीगण और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया।

बहजोई में सुंदरकांड पाठ एवं भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर में इस्लामनगर चौराहा स्थित दीपक प्लाईवुड, पंजाब नेशनल बैंक के सामने आवास पर श्रवण मास के अंत में मंगलवार को समस्त परिवार की ओर से धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ सुंदरकांड का पाठ कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आसपास के लोगों ने पहुंचकर सुंदरकांड पाठ में भाग लिया और भगवान श्रीराम का गुणगान किया।

सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ सुंदरकांड की चौपाइयों का पाठ किया। पाठ के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं पवनपुत्र हनुमान के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। परिवार के सदस्यों ने धार्मिक आयोजन में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन के बाद परिवार की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में आसपास के लोगों, राहगीरों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक परिवार के सदस्यों ने श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक भोजन एवं प्रसाद वितरित किया। भंडारे में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया और प्रसाद ग्रहण कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक आयोजन का उद्देश्य परिवार एवं समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव की भावना को मजबूत करना है। सुंदरकांड पाठ एवं भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ज्ञानेंद्र कुमार गुप्ता,दीपक प्लाईवुड, अमित गुप्ता,राहुल वार्ष्णेय सहित कई लोग मौजूद रहे।

मेगा कैंप का आयोजन, पीएम स्वनिधि लाभार्थियों को योजनाओं की दी जानकारी

स्वनिधि से समृद्धि के तहत बीमा, पेंशन, स्वास्थ्य सुरक्षा समेत कई योजनाओं का मिल सकता है लाभ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित इस्लामनगर चौराहे पर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत मेगा कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्देश्य पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों और उनके परिजनों को स्वनिधि से समृद्धि अभियान के अंतर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। कैंप में लाभार्थियों को बताया गया कि स्वनिधि से समृद्धि आई दूर हुई सारी कठिनाई अभियान के तहत पात्र लाभार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों को कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

मिल सकता है। इनमें बीमा, पेंशन, स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ, श्रमिक कल्याण और वित्तीय समावेशन प्रमुख रूप से शामिल हैं। मेगा कैंप के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की पात्रता और उनसे मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही लाभार्थियों से अपील की गई कि वे अपनी पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। नगर पालिका परिषद बहजोई की ओर से बताया गया कि योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए लाभार्थी 1800111979 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी नगर पालिका कार्यालय में संपर्क कर पीएम स्वनिधि एवं स्वनिधि से समृद्धि अभियान की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद बहजोई की अधिशासी अधिकारी अमिता वरूण, अध्यक्ष राजेश शंकर ह्यराजूद्ध तथा जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन में अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

नवागत मंडलायुक्त संगीता सिंह का अधिकारियों ने किया स्वागत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- मुरादाबाद मंडल की नवागत मंडलायुक्त संगीता सिंह मंगलवार को मुरादाबाद जाते समय जनपद संभल के बहजोई स्थित कलक्ट्रेट के बाहर नेशनल हाईवे पर कुछ देर के लिए रुकीं। इस दौरान जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल सहित मौजूद अधिकारियों ने नवागत मंडलायुक्त संगीता सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मंडलायुक्त ने भी अधिकारियों का अभिवादन स्वीकार किया और उनसे संक्षिप्त मुलाकात के बाद मुरादाबाद के लिए रवाना हो गईं।

नवागत मंडलायुक्त के स्वागत के दौरान अधिकारियों में उत्साह नजर आया। अधिकारियों ने उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहतर समन्वय के साथ मंडल के विकास कार्यों को गति देने की उम्मीद जताई।

भीषण गर्मी में ग्रामीण पानी को परेशान, लंबे समय से खराब पड़े सरकारी नल

सरकारी धन से लगाए गए दो नल बने शोपीस, ग्रामीणों ने मरम्मत की उठाई मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड क्षेत्र के गांव अकबरपुर में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गांव में सरकारी धनराशि से लगाए गए दो नल लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिसके चलते ग्रामीणों को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की जरूरत बढ़ गई है, लेकिन खराब पड़े सरकारी नलों की वजह से ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लोगों की सुविधा और पेयजल की समस्या दूर करने के उद्देश्य से सरकारी धन से नल लगाए गए थे। कुछ समय तक इनसे पानी भी मिला, लेकिन अब दोनों नल लंबे समय से खराब पड़े हैं। बार-बार इस्तेमाल नहीं होने और रखरखाव के अभाव में नल ग्रामीणों के लिए किसी काम के नहीं रह गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक सरकारी स्तर पर नल लगाने के बाद उनकी देखरेख और समय से मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नल खराब होने के कारण गांव के लोगों, महिलाओं और बच्चों को पानी की व्यवस्था करने में काफी दिक्कत हो रही है। भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या ग्रामीणों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन खर्च कर सुविधाएं तो उपलब्ध कराई गईं, लेकिन उनके खराब होने के बाद जिम्मेदार विभाग ने उनकी सुध नहीं ली। यदि समय रहते नलों की मरम्मत करा दी जाती तो ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से गांव में खराब पड़े दोनों सरकारी नलों की शीघ्र मरम्मत कराने और उन्हें चालू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गर्मी के मौसम में पेयजल सबसे जरूरी जरूरत है। ऐसे में सरकारी स्तर पर लगाए गए नलों का बंद पड़ा रहना गंभीर समस्या है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में पेयजल व्यवस्था की जांच कराई जाए और खराब नलों को जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। अब देखना यह है कि ग्रामीणों की समस्या को लेकर जिम्मेदार विभाग कब जागता है और लंबे समय से खराब पड़े दोनों सरकारी नलों को कब तक चालू कराया जाता है।

जन सेवा ही जीवन का मुख्य लक्ष्य:- विधायक जयकुमार सिंह जैकी

ब्लॉक स्तरीय नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम में शिक्षकों से सीधा संवाद

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड अमौली के पनिया गेस्ट हाउस में परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के एक दिवसीय नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व कारागार राज्य मंत्री एवं विधायक बिंदकी जयकुमार सिंह जैकी, ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ला ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख सुशीला सिंह ने की, जबकि संचालन शिक्षक उमेश त्रिवेदी ने किया। विधायक ने कहा कि लोगों की मदद कर दिल को सुकून मिलता है, मैं लगातार सेवा कार्य करता हूं। शिक्षकों से कहा कि विद्यालय में बच्चों के हित की किसी भी समस्या का निस्तारण किया जाएगा। पंद्रह दिन के अंदर व्यवस्था में परिवर्तन दिखना चाहिए। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि स्कूल रूपी बगिया की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए शिक्षक, प्रधान एवं ग्रामीण सभी जिम्मेदार हैं। बीडीओ सुरेश कुमार शिवहरे ने विद्यालय संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार शुक्ला ने विभागीय प्रस्तावना रखते हुए आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला को एआरपी शैलेंद्र सचान, सुशील कुमार, सौरभ वर्मा एवं संचालक उमेश कुमार त्रिवेदी ने भी संबोधित किया। वहीं प्राथमिक विद्यालय बेहटा में विधायक एवं ब्लॉक प्रमुख ने अधिकारियों की उपस्थिति में वृक्ष बंधन कर वृक्षों की रक्षा का संकल्प लिया।

बी.पी. मंडल की जयंती पर सपा कार्यकताओं ने सामाजिक न्याय का संकल्प दोहराया

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार मंगलवार को जिला संभल समाजवादी पार्टी की ओर से सामाजिक न्याय के प्रणेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी.पी. मंडल की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला पार्टी कैंप कार्यालय बहजोई में किया गया। शुरूआत बी.पी. मंडल के चित्र पर जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर सहित पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कहा कि बी.पी. मंडल ने अपना पूरा जीवन वंचित, शोषित, पिछड़े और गरीब वर्ग के अधिकार व सम्मान के लिए समर्पित किया। मंडल कमीशन की रिपोर्ट ने देश के करोड़ों पिछड़े वर्ग के लोगों को अधिकार दिलाने का काम किया। आज पिछड़े वर्ग को मिलने वाले 27 प्रतिशत आरक्षण में बी.पी. मंडल के संघर्ष की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भाजपा सरकार पर पिछड़ों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय की लड़ाई को कमजोर नहीं होने देगी। अखिलेश यादव ने पीडीए की अवधारणा के माध्यम से मंडल के सामाजिक न्याय के सपने को आगे बढ़ाने का काम किया है। वरिष्ठ नेता कामरेड रेवाराम ने कहा कि बी.पी. मंडल ने पिछड़ों के हितों के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी तक दांव पर लगा दी थी। युवाओं को उनके जीवन और संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए। पिछड़ों की हिस्सेदारी को लेकर मंडल का विचार आज भी प्रासंगिक है। पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश प्रजापति ने कार्यकताओं से गांव-गांव जाकर मंडल कमीशन और संविधान के मूल्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव ने कहा कि 2027 में पीडीए की एकता से प्रदेश में फिर अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी। सामाजिक न्याय और आरक्षण की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता आखिरी दम तक संघर्ष करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने की। पिछड़ा वर्ग प्रदेश सचिव पूरनलाल मौर्य, उमेश दिवाकर, ममता मधुकर, बलवंत सिंह, मलखान सिंह जाटव, रिंकू चौहान, संजय मदन आदि ने भी विचार रखे। इस दौरान चंदौसी नगर युवजन सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष पंकज वाल्मीकि का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शोभित कुमार काका, प्रबुद्ध सभा जिलाध्यक्ष कमल शर्मा, नगर अध्यक्ष सदाम कुरैशी, अशोक गुप्ता, चेतन गुप्ता, तस्लीम भाई, विजय यादव, डॉक्टर होराम सिंह, मनोज शर्मा, मुकेश यादव, लाईक सिंह, विवेक शर्मा, साजिद अली, अक्षय गुप्ता, रवि शंखधार, बब्बन मौर्य, अशोक राणा एडवोकेट, सुमित यादव, राहुल जाटव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डी.एन.पी.जी. कॉलेज में समकालीन हिंदी कहानियों का सामाजिक यथार्थ ग्रंथ का विमोचन

गुलावठी (सब का सपना):- डी.एन.पी.जी. कॉलेज, गुलावठी के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संदीप कुमार सिंह द्वारा रचित ग्रंथ समकालीन हिंदी कहानियों का सामाजिक यथार्थ का गरिमापूर्ण समारोह में विमोचन किया गया। यह ग्रंथ उनके शोध ग्रंथ का पुस्तकाकार रूप है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने की। उन्होंने कहा कि समकालीन हिंदी कहानी सामाजिक जीवन और बदलते मूल्यों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है और यह ग्रंथ सामाजिक यथार्थ को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण अकादमिक प्रयास है। हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरीश कसाना ने कहा कि यह कृति समकालीन कथा-साहित्य के विविध सामाजिक पक्षों को समझने में उपयोगी है और विद्यार्थियों, शोधार्थियों व अध्येताओं के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। लेखक डॉ. संदीप कुमार सिंह ने कहा कि समकालीन कहानी समाज के परिवर्तनों और अंतर्विरोधों को संवेदनशीलता से सामने लाती है। संचालन डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. विनीता गर्ग, पीयूष त्रिपाठी, डॉ. भवनीत सिंह बत्रा, डॉ. विनय कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

बाल कलाकारों की टीम ने भक्तों को किया आश्चर्यचकित

श्री अनंत भुवनेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की कतार

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- श्रावण मास के पवित्र चतुर्थ सोमवार के अवसर पर कस्बे के सुप्रसिद्ध श्री अनंत भुवनेश्वर महादेव मंदिर में बाबा भोलेनाथ के अभिषेक, भव्य श्रृंगार एवं दिव्य संध्या आरती का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में भक्त आरती में शामिल हुए। आचार्य करुणाशंकर शास्त्री ने मुख्य यजमान सोनी ओमर एवं नितिन ओमर द्वारा पूजन संपन्न कराया। माताओं-बहनों ने संगीत एवं भजनों से प्रभु को रिझाया। गौरा एवं भोलेनाथ की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया, वहीं बाल कलाकारों की जोड़ी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजक एवं मंदिर प्रबंधक उमेश त्रिवेदी ने बताया कि ग्रामवासियों व भक्तों के सहयोग से श्रावण मास के सभी कार्यक्रम दर्शनीय एवं कल्याणकारी रहे।

उन्होंने सभी यजमान, दानदाताओं, श्रृंगार व्यवस्था की स्वयंसेवी माताओं-बहनों सहित आयोजन समिति का आभार जताया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैंक अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित

12 सितंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, सुलह-समझौते से बैंक विवादों के निस्तारण पर जोर

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने और अधिकाधिक मामलों के निस्तारण के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सम्भल स्थित चन्दौसी के प्रभारी सचिव दीपक कुमार जायसवाल ने लीड बैंक मैनेजर (एलडीएम) सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में बैंक से संबंधित लंबित वादों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रभारी सचिव ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने बैंकों में लंबित ऐसे प्रकरणों को चिन्हित करें, जिनमें पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से विवाद का समाधान संभव है। ऐसे मामलों में संबंधित पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विवाद का शीघ्र, सरल एवं कम खचीर्ला समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में बैंक संबंधी अधिकाधिक मामलों का निस्तारण कराया जाए और इसके लिए प्रकरणों से संबंधित अभिलेख एवं आवश्यक विवरण समय से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही निस्तारण की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर भी जोर दिया गया। बैठक के दौरान अधिकारियों को लोक अदालत के माध्यम से विवादों के त्वरित एवं सरल निस्तारण की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रभारी सचिव ने सभी संबंधित अधिकारियों से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग की अपील की।

बैठक में ललित विजय राय, लीडिंग डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, जनपद सम्भल, नितेश कुमार गर्ग, शाखा प्रबंधक केनरा बैंक चन्दौसी, अजीत सिंह यादव, एफओ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया चन्दौसी, विशाल दीप, मुख्य प्रबंधक उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक चन्दौसी तथा कपिल चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गुलदार ने पशुशाला में घुसकर बछिया को बनाया निवाला, मां-बेटे पर हमले का प्रयास

गन्ने के खेत में गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत, पिंजरा लगाकर पकड़ने की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में आतंक का पर्याय बने गुलदार ने सोमवार देर रात पशुशाला में घुसकर एक बछिया को मौत के घाट उतार दिया। पशुशाला में सो रहे मां-बेटे पर भी गुलदार ने हमला करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों के शोर मचाने पर गुलदार दीवार फांदकर जंगल की ओर भाग गया। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने गुलदार को गन्ने के खेत में जाते देखा तो क्षेत्र में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगवाने की मांग की है। बढ़ापुर रोड स्थित ग्राम इस्लामाबाद निवासी इंद्रजीत और उनकी मां माया देवी रोजाना की तरह सोमवार रात पशुशाला में सो रहे थे। बताया गया कि देर रात करीब 11:30 बजे गुलदार दीवार फांदकर पशुशाला में घुस आया और वहां बंधे पशुओं में से एक बछिया पर हमला कर उसे अपना निवाला बना लिया। पशुशाला में खटपट की आवाज सुनकर मां-बेटे की आंख खुल गई। दोनों जैसे ही बाहर निकलने का प्रयास करने लगे, गुलदार ने उनकी ओर भी हमला करने का प्रयास किया। इस पर दोनों ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर गुलदार पशुशाला की दीवार फांदकर मौके से भाग निकला। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए, लेकिन रात अधिक होने के कारण अधिकारियों को सूचना नहीं दी जा सकी। मंगलवार सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीण किसानों ने एक बार फिर गुलदार को गन्ने के खेत में जाते हुए देखा। गुलदार को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने गांव पहुंचकर लोगों को इसकी जानकारी दी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने फोन के माध्यम से वन विभाग को सूचना देकर बताया कि गुलदार गांव के पास गन्ने के खेत में मौजूद है और इससे पहले वह इंद्रजीत की पशुशाला में घुसकर बछिया को मार चुका है। समाचार भेजे जाने तक वन विभाग के अलावा कोई अन्य अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था। वन विभाग के अधिकारियों ने दूरभाष पर ग्रामीणों को गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने का आश्वासन दिया। क्षेत्र में लगातार गुलदार की मौजूदगी और ग्रामीणों में फैली दहशत को लेकर ग्रामीणों ने रोष जताया। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि वन विभाग की टीम को तत्काल सक्रिय कर गांव के आसपास पिंजरा लगवाया जाए और आतंक का पर्याय बने गुलदार को पकड़कर ग्रामीणों को भयमुक्त किया जाए।

नयागांव में पति ने की पत्नी की नृशंस हत्या, हफ्ते भर घर में सड़ती रही लाश, आरोपी फरार

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंडावली क्षेत्र के ग्राम नयागांव स्थित एक बंद मकान से महिला का सड़ चुका शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका के बेटे ने अपने पिता पर ही मां की बेरहमी से हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

प्लॉट खरीदने आए थे पति-पत्नी

जानकारी के अनुसार, मोहनपुर निवासी अहमद हसन ने नयागांव-मीरमपुर मार्ग पर एक जमीन खरीदकर मकान बनाया था, जहां परिवार का कभी-कभार आना-जाना रहता था। मृतका के पुत्र आसिफ ने बताया कि बीते बुधवार को उसके माता-पिता पास के एक प्लॉट को खरीदने के सिलसिले में नयागांव आए थे। उनके साथ उनका दूसरा भाई भी आया था, जो बाद में श्रीनगर लौट गया। रात में माता-पिता उसी मकान में रुक गए थे।

फोन स्विच ऑफ हुआ तो खुला खौफनाक राज

आसिफ के मुताबिक, बुधवार रात करीब 9 बजे उसकी माता-पिता से फोन पर बात हुई थी। लेकिन अगले दिन से ही पिता का मोबाइल लगातार स्विच ऑफ आने लगा और मां से भी संपर्क नहीं हो सका। अनहोनी की आशंका के चलते मंगलवार सुबह जब आसिफ श्रीनगर से नयागांव वाले मकान पर पहुंचा, तो बाहर ताला लटका हुआ था। ताला तोड़कर जब वह अंदर दाखिल हुआ, तो कमरे से असहनीय दुर्गंध आ रही थी। अंदर का नजारा देखकर उसके होश उड़ गए—उसकी मां शहनाज का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ था।

शव में पड़े कीड़े, फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

आसिफ ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मंडावली थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया।थाना प्रभारी ने बताया कि शव लगभग एक सप्ताह पुराना होने के कारण पूरी तरह सड़ चुका था और उसमें कीड़े पड़ चुके थे। फॉरेंसिक टीम ने मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए हैं।

घरेलू विवाद में हत्या की आशंका, आरोपी पिता की तलाश जारी

मृतक महिला के बेटे आसिफ ने अपने पिता अहमद हसन पर हत्या का सीधा आरोप लगाते हुए बताया कि उसके पिता अक्सर मां के साथ मारपीट करते रहते थे। आशंका जताई जा रही है कि उस रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद पिता ने मां की हत्या कर दी और बाहर से ताला लगाकर फरार हो गया। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार आरोपी पिता की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पिछले एक माह से लापता युवक सैय्यद फैज के मिलने पर परिवार में खुशी

बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला अजीमुद्दीन निवासी सैय्यद फैज (20) पुत्र सैय्यद जुबैर पिछले महीने घर से बिना बताए अपने मामू के घर मुजफ्फरनगर चला गया था। दो दिन बाद उसके मामू ने उसे गुलावठी के लिए बस में बैठाकर भेज दिया था, लेकिन फैज अपने घर नहीं पहुंचा, जिससे परिजन काफी परेशान थे। काफी तलाश के बाद जिला मुजफ्फरनगर कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई, लेकिन प्रयास के बाद भी फैज का कोई पता नहीं चला। मीडिया और सोशल मीडिया के द्वारा भी तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। कल अचानक उसके अलीगढ़ में होने की जानकारी मिलने पर उसके चाचा ने अलीगढ़ के जकरिया बाजार से उसे बरामद किया, जहां वह एक मेडिकल शॉप पर काम करता मिला। फैज ने बताया कि वह परिवार के डांटने के डर से अलीगढ़ चला गया था। लापता पुत्र के सकुशल बरामद होने पर परिजनों में खुशी छा गई। परिजनों ने अल्लाह का शुक्र अदा किया और मीडिया व सोशल मीडिया का धन्यवाद दिया।

गंगा का जलस्तर घटा, तटबंध पर खतरा टला

बिजनौर (सब का सपना):- गंगा का जलस्तर जैसे-जैसे कम होता जा रहा है वैसे ही रावली तटबंध पर खतरा कम हो गया है। फिलहाल गंगा की जो तेज धारा तटबंध से टकराकर उसे नुकसान पहुंचा रहीं थी वो धारा अब दूर बह रहीं है। कुछ दिन पूर्व रावली रावली स्थित तटबंध गंगा की तेजधारा के सामने डकमगाने लगा था । हर साल गंगा की तेज धाराओं के सामने तटबंध पर खतरा मंडराता आता रहा है। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने इस बार हाई टेक्नोलॉजी के जरिए मजबूत तटबंध का निर्माण कराया था। गंगा की धारा जब इस तटबंध से काफी दूर थी तो यह खूबसूरत तटबंध पिकनिक स्पॉट भी बन गया था, लेकिन जैसे-जैसे पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश से गंगा का जलस्तर बड़ा तो गठबंधन का बड़ा हिस्सा गंगा में समा गया तटबंध के किनारे पर गंगा की तेज धाराएं लगातार टकरा रही है। जिससे तटबंध डगमगाने लगा है, और पिछले साल जैसे हालात होते नजर आ रहे थे । अगर ऐसे ही कुछ दिन और गंगा का जलस्तर यूं ही बरकरार रहता और तेज धारा लगातार तटबंध से टकराती रहती तो मुमकिन था हाई टेक्नोलॉजी वाला यह मजबूत तटबंध कमजोर हो सकता है। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है डीएम श्रीमती जसजीत कौर द्वारा तटबंध का कई बार निरीक्षण किया गया और तटबंध के बचाव सोमवार शाम तक तटबंध से गंगा की धारा काफी दूर नजर आयी। जिससे तटबंध पर मंडराता खतरा भी फिलहाल खत्म हुआ।

महिला आयोग सदस्य ने महिलाओं के अधिकारों के प्रति किया जागरूक

बुलन्दशहर(सब का सपना):- राज्य महिला आयोग की सदस्य मनीषा अहलावत ने एनआरईसी महाविद्यालय में आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं को सुरक्षा, कानून और उनके अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त कर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज में एनआरएलएम की प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन किया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र महिला या बच्चा सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। समीक्षा के बाद महिला जनसुनवाई में घरेलू हिंसा एवं आपसी विवाद से संबंधित 9 शिकायतें सुनी गईं और अधिकारियों को इनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

ट्रेन की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर दर्दनाक हादसे में करीब 15 वर्षीय किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना स्योहारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मोहल्ला चक महदूद सानी निवासी हुजफा पुत्र कारी महमूद मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे स्योहारा-धामपुर अप रेलवे लाइन पर घूम रहा था। इसी दौरान खंभा संख्या 1445/13 और 1445/15 के बीच वह ट्रेन संख्या 14623 की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। रेलवे कंट्रोल रूम से मेमो मिलने के बाद थाना स्योहारा पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की सहायता से शव को एंबुलेंस के माध्यम से पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक किशोर मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

एआरटीओ कार्यालय में भ्रष्टाचार के विरोध में व्यापार मंडल का प्रदर्शन

बुलन्दशहर(सब का सपना):- उद्योग व्यापार मंडल (नरेंद्र) ने सोमवार को चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में एआरटीओ कार्यालय में कथित भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और सरकारी काउंटरों पर प्राइवेट व्यक्तियों के हस्तक्षेप के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद व्यापारियों ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि नायब तहसीलदार सतेंद्र कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की। व्यापारियों ने अधिकारियों की नियमित उपस्थिति, प्राइवेट व्यक्तियों को काउंटरों से हटाने, महिला आवेदकों के लिए अलग काउंटर, हेल्प डेस्क व सीसीटीवी की व्यवस्था की मांग की। जिला अध्यक्ष विशाल अरोरा ने कहा कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो व्यापारी व्यापक आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में अमित सिंघल, मोहम्मद रियाज, धरमराज, मोहन सिंह, महेश लोधी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

अभियान के तहत 10 वारंटीयो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत स्योहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सभी अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय में चल रहे मामलों में वारंट जारी थे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में ग्राम जयरामपुर सांखली निवासी विजय सिंह पुत्र नत्थू सिंह, परम सिंह पुत्र रामपाल और मेघराज सिंह पुत्र रामपाल सिंह शामिल हैं। इनके अलावा ग्राम हरौली निवासी फईम पुत्र अल्लदिया को भी गिरफ्तार किया गया। ग्राम सिपाहीवाला निवासी कोमल उर्फ कमल सिंह पुत्र हेमराज सिंह, छुद्दू उर्फ छोटे सिंह पुत्र छिद्दू सिंह, यादराम पुत्र मोती और भूपेंद्र पुत्र यादराम को भी पुलिस ने पकड़ा है। ग्राम खाईखेड़ा निवासी राकेश कुमार पुत्र जयपाल सिंह तथा ग्राम सतौनंगली निवासी मलखे पुत्र कालू भी गिरफ्तार किए गए।

पुलिस ने बताया कि सभी वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पुलिस मुठभेड़ में गोवध का आरोपी घायल, एक गिरफ्तार

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के खागा और हथगांव पुलिस की संयुक्त टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। गोवध के मामले में वांछित आरोपी के पैर में गोली लग गई, जबकि उसके साथी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। घटना 24-25 अगस्त की रात खागा थाना क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास बरकतपुर गांव के जंगल की है। पुलिस को गोवध निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित आरोपियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। भागने की कोशिश के दौरान हुई मुठभेड़ में शहजादे पुत्र दरगाही निवासी अमांव के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि उसके 28 वर्षीय बेटे सीबू उर्फ शहबाज आलम को गिरफ्तार कर लिया गया।जिसके कब्जे से 6 चाकू, 2 कुल्हाड़ी, 1 चापड़, 2 साल वाला पत्थर, रस्सी, सीकड़ तथा 315 बोर का तमंचा, एक खोखा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। दोनों पर फतेहपुर समेत अन्य जनपदों में 13 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

खेत में चारा काटते समय बुजुर्ग को सांप ने डंसा

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- रेहड़ थाना क्षेत्र के गांव भगतावाला में मंगलवार को खेत में चारा काट रहे 85 वर्षीय बुजुर्ग को सांप ने डंस लिया। घटना से परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में बुजुर्ग को उपचार के लिए अफजलगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे। गांव भगतावाला निवासी जयप्रकाश सिंह (85) पुत्र स्वर्गीय बिहारी सिंह मंगलवार को गांव के जंगल स्थित अपने खेत में चारा काट रहे थे। इसी दौरान अचानक सांप ने उन्हें डंस लिया। सांप के डंसने के बाद बुजुर्ग की हालत बिगड़ने लगी। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए अफजलगढ़ सीएचसी में भर्ती कराया। सीएचसी में चिकित्सकों ने बुजुर्ग जयप्रकाश सिंह का उपचार किया। उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार होने पर चिकित्सकों ने उन्हें घर भेज दिया।

योगी कैबिनेट की बैठक: यूपी में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और गंगा एक्सप्रेसवे का विस्तार समेत 24 प्रस्ताव मंजूर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेटकी बैठक में 24 प्रस्तावों को स्वीकृति मिल गई है। बैठक में कुल 27 प्रस्ताव पेश किए गए थे। स्वीकृत प्रस्तावों में सबसे अहम प्रस्ताव परिवहन विभाग का है, जिसमें 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा की तैयारी है, इसे मंजूरी मिल गई है। योगी कैबिनेट में स्वीकृत प्रस्ताव लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजना को स्वीकृति 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को परिवहन निगम की सभी बसों में आजीवन निःशुल्क यात्रा के लिए अनुमन्य होंगी, जिससे करीब एक करोड़ से अधिक महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। पात्र महिलाएं वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड दिखाकर यात्रा कर सकेंगी। बता दें कि भाजपा ने यह वादा संकल्प पत्र में भी किया था। सुल्तानपुर में बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर कैबिनेट बैठक में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के समीप औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने के लिए अवस्थापना विकास के प्रस्ताव को दी मंजूरी मिल गई है। सुल्तानपुर में औद्योगिक कॉरिडोर योजना के तहत आईएमएलसी का विकास होगा, जिसमें 272.25 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान है। वहीं, निर्माणकर्ता ग्लोबल बिड से चुना जाएगा। हरिद्वार तक विस्तारित होगा गंगा एक्सप्रेसवे यूपी के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे को विस्तारित करने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट बैठक में मंजूरी मिल गई है। यह विस्तार बिजनौर से हरिद्वार तक होगा, जिसमें 10,761 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस विस्तार के बाद दो कुम्भ नगरियों प्रयागराज और हरिद्वार के बीच तेज और नियंत्रित एक्सप्रेसवे कनेक्शन बन जाएगा।

घर में दौड़ा करंट, चपेट में आया 13 वर्षीय मासूम, दर्दनाक मौत

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- बरसात के मौसम में बिजली का करंट लोगों के लिए लगातार जानलेवा खतरा बना हुआ है। मंगलवार को करंट की चपेट में आने से एक और मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबहान (13) पुत्र नासिर रोज की तरह अपने घर में खेल रहा था। इसी दौरान अचानक अज्ञात कारणों से घर में करंट दौड़ गया और मासूम उसकी चपेट में आ गया। परिजनों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना से मोहल्ले में भी मातम छा गया। बरसात के मौसम में घरों में बिजली के तारों और उपकरणों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पंजाब में खेलों को बढ़ावा: सीएम मान ने युवाओं को 500 आधुनिक ग्रामीण खेल मैदानों का दिया तोहफा, सीएम बोले- नशे से रहेंगे दूर

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पटियाला से 509 ग्रामीण खेल मैदानों का उद्घाटन किया, जिससे कुल संख्या 734 हो गई। यह पहल युवाओं को खेलों से जोड़कर नशामुक्ति और विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य रखती है।

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पटियाला जिले के गांव देधना से विभिन्न जिलों में स्थापित किए गए 509 से अधिक आधुनिक ग्रामीण खेल मैदानों का उद्घाटन करके जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके साथ ही अब तक युवाओं को समर्पित किए गए खेल मैदानों की कुल संख्या 734 हो गई है। उन्होंने कहा कि यह पहल गांवों के युवाओं को विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी और ह्यनशों से दूर रहने तथा खेलों से जुड़नेह्ल के संदेश को प्रोत्साहित करते हुए नशों के खिलाफ सरकार की लड़ाई को और मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार इस वर्ष पंजाब भर में 1,744 करोड़ रुपये के खेल बजट से 3,100 ग्रामीण खेल मैदान विकसित कर रही है, जिसमें विशेष रूप से इन मैदानों के लिए 1,500 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसके साथ ही खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं तैयारी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के अलावा गांवों में 6,000 जिम स्थापित करने का काम भी युद्ध स्तर पर जारी है। पंजाब भर में 3,100 आधुनिक ग्रामीण खेल मैदान विकसित करने की राज्य सरकार की योजना के दूसरे चरण के तहत युवाओं को खेल मैदान समर्पित करने के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और जमीनी स्तर पर विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पंजाब स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 255 ग्रामीण खेल मैदान समर्पित करने के बाद आज हम 509 और ग्रामीण खेल मैदान लोगों को समर्पित कर रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि 1,500 करोड़ रुपये के बजट से पंजाब भर में आधुनिक सुविधाओं से लैस 3,100 ग्रामीण खेल मैदान तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे बताया, "दूसरे चरण में समर्पित किए जा रहे 509 ग्रामीण खेल मैदानों में से 43 लुधियाना, 41 मानसा, 36 संगरूर, 34-34 बठिंडा और पटियाला, 33 श्री मुक्तसर साहिब, 32 अमृतसर में तथा बाकी अन्य जिलों के गांवों को समर्पित किए गए हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा, "ये ग्रामीण खेल मैदान ह्ययुद्ध नशों के विरुद्ध अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देंगे और हमारे युवाओं को ह्यनशों से दूर रहने तथा खेलों से जुड़ने का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली और उभरते खिलाड़ियों के लिए ये मैदान उम्मीद और अवसरों की किरण बनेंगे।" उन्होंने बताया कि ग्रामीण खेल मैदानों में वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट और अन्य लोकप्रिय पारंपरिक खेलों के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी विभिन्न खेल एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित करेगी, ताकि खेल और शारीरिक गतिविधियां प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का अभिन्न अंग बन सकें। उन्होंने कहा, "ये मैदान गांवों में आपसी सद्भाव और एकता के प्रतीक बनेंगे।" मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, "यदि किसी बच्चे के पास पढ़ाई के लिए अच्छा स्कूल और शारीरिक विकास के लिए उपयुक्त खेल मैदान हो, तो वह बच्चा विश्व स्तर पर गांव, पंजाब और देश का नाम रोशन कर सकता है। यह बड़े गर्व और संतोष की बात है कि हम शिक्षा और खेलों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन ग्रामीण खेल मैदानों को आधुनिक बुनियादी ढांचे से लैस किया जा रहा है, जिसमें रात के समय खेल गतिविधियों के लिए हाई-मास्ट (बड़ी) लाइटें, वॉकिंग ट्रैक के साथ फुटलाइटें, मजबूत जालियों की बाड़ और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हरे-भरे और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए खेल मैदानों के आसपास पौधे भी लगाए जा रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि इन खेल मैदानों में फुटबॉल के गोलपोस्ट, वॉलीबॉल के पोल, बच्चों के लिए झूले और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, "प्रत्येक गांव में लोकप्रिय खेल के अनुसार खिलाड़ियों को खेल सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है। यदि किसी विशेष गांव में क्रिकेट लोकप्रिय है, तो वहां विशेष रूप से क्रिकेट किट उपलब्ध करवाने के साथ-साथ अन्य लोकप्रिय खेलों की आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाएगी।" उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने वर्ष 2026 को खेलों और खिलाड़ियों के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा, "इस वर्ष पंजाब में 3,100 ग्रामीण खेल मैदान तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही 6,000 ग्रामीण जिम भी स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें से 500 का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है।" मुख्यमंत्री ने बताया कि ह्यखेडां वतन पंजाब दियांह्ल का चौथा सीजन 5 सितंबर से बठिंडा से शुरू होगा, जिसमें अनुमानित 10 लाख खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पहली बार पंजाब हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी कर रहा है, जिसके मैच अक्टूबर-नवंबर के दौरान जालंधर और मोहाली में करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "पंजाब के लोगों को अपनी ही धरती पर अपने हॉकी सितारों को खेलते देखने का अवसर मिलेगा। पंजाब में आई.पी.एल. की तर्ज पर एक टी-20 क्रिकेट लीग भी करवाई जा रही है, जो 30 अगस्त से 13 सितंबर तक पी.सी.ए. स्टेडियम, मोहाली में खेली जाएगी।" मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि खेल पंजाब की गौरवशाली विरासत और समृद्ध संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा, "2023 में नई खेल नीति लाई गई थी, जिसके तहत खेल बजट में वृद्धि की गई है और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं तैयारी के लिए नकद पुरस्कार तथा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। पंजाब के इतिहास में पहली बार खेलों के लिए 1,744 करोड़ रुपये का समर्पित बजट आवंटित किया गया है।" उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 से अब तक 40,415 खिलाड़ियों को 135 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करवाई जा रही है, जिसमें ओलंपिक की तैयारी के लिए 15 लाख रुपये तथा एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी के लिए 8 लाख रुपये शामिल हैं। उन्होंने कहा, "85 खिलाड़ियों को महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, जबकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पंजाब का नाम रोशन करने वाले 11 खिलाड़ियों को पी.सी.एस.डी.एस.पी.अधिकारी नियुक्त किया गया है मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के खेल प्रयासों का उद्देश्य पंजाब भर में एक मजबूत खेल इकोसिस्टम तैयार करना, जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को मजबूत करना और युवाओं को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और डॉ. बलबीर सिंह भी उपस्थित थे।

मानसा जेल के 69% कैदी नशे की चपेट में, हाई कोर्ट ने सभी जेलों की मांगी डिटेल; रोकने के लिए क्या है मान सरकार की योजना?

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने जेलों में बंद नशे के आदी कैदियों के उपचार और पुनर्वास के संबंध में पंजाब सरकार से विस्तृत जानकारी मांगी है। कोर्ट ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (जेल) को निर्देश दिया है कि वे प्रदेश की सभी जेलों में आउट-पेशेंट ओपिओइड असिस्टेड ट्रीटमेंट (ओओएटी) ले रहे कैदियों का जेलवार ब्यौरा हलफनामा के माध्यम से प्रस्तुत करें। इसके साथ ही, कोर्ट ने यह भी पूछा है कि नशे पर निर्भर कैदियों को दवाओं से धीरे-धीरे बाहर निकालने की प्रक्रिया क्या है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने मानसा सेशन डिवीजन के प्रशासनिक न्यायाधीश की रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दर्ज की थी। रिपोर्ट के अनुसार, मानसा जेल में कुल 767 कैदी बंद थे, जिनमें से 530 ओओएटी क्लीनिक में पंजीकृत थे, जोकि लगभग 69 प्रतिशत है। इसे कैदियों में नशे की लत की गंभीरता का संकेत माना गया है। कैदियों को दी जा रही ये दवाई खंडपीठ ने राज्य सरकार से ओओएटी क्लीनिक में कैदियों के पंजीकरण से संबंधित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) स्पष्ट करने को कहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बड़ी संख्या में नशे के आदी कैदियों को चिकित्सा स्थिति के अनुसार ब्यूप्रेनोर्फिन और नालोक्सोन का संयोजन दिया जा रहा है। शासनिक न्यायाधीश ने कैदियों के जेल से बाहर आने के बाद नशामुक्ति और फॉलोअप के संबंध में चिंता व्यक्त की थी। रिपोर्ट में ब्यूप्रेनोर्फिन-नालोक्सोन उपचार पूरा कर दवा बंद करने के चरण तक पहुंचने वाले लोगों का आंकड़ा मांगा गया था। हाई कोर्ट ने जेलों और निजी ओपिओइड उपचार केंद्रों में योग्य मनोचिकित्सकों, नर्सों और मनोसामाजिक सहायता की उपलब्धता का ब्योरा भी मांगा है। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि जेल से रिहा होने के बाद कैदियों को किस प्रकार सहायता दी जाएगी, ताकि वे पुनः नशे के चक्र में न फंसें। खंडपीठ ने अधिवक्ता तनु बेदी को एमिकस क्यूरी नियुक्त करते हुए कहा कि वे पंजाब की जेलों में बंद कैदियों की बेहतरी के लिए सुधारात्मक कदम सुझाने में कोर्ट की सहायता करेंगी। मामले की अगली सुनवाई 1 सितंबर को होगी।

कपूरथला में दो पक्षों में मारपीट: गांव मुरादपुर में मुर्गी चोरी के आरोप में हुई पिटाई, पुलिस ने जांच शुरू की

कपूरथला के गांव मुरादपुर में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल कपूरथला में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर आरसीएफ भुलाणा चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। ग्रामीणों पर मारपीट का आरोप अस्पताल में उपचाराधीन हाकम सिंह पुत्र लखवंत सिंह निवासी लाटियांवाल ने बताया कि वह अपने भाई जोगा सिंह और निशान सिंह के साथ कपूरथला से गांव लाटियांवाल जा रहे थे। मुरादपुर में किसी से मिलने के लिए रुके थे, तभी ग्रामीणों ने उन्हें चोर और लुटेरा बताते हुए मारपीट शुरू कर दी। पोल्ट्री फार्म मालिक का आरोप वहीं, दूसरे पक्ष के घायल कुलविंदर सिंह ने आरोप लगाया कि गांव में उनका पोल्ट्री फार्म है, जहां से कुछ दिन पहले मुर्गियां चोरी हुई थीं। उनके अनुसार, सोमवार को ग्रामीणों ने दो युवकों को बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल पर आते पकड़ा, जिनके पास तेजधार हथियार थे। कुलविंदर सिंह के मुताबिक, युवकों का एक साथी मौके से फरार हो गया। जब पूछताछ का प्रयास किया गया तो उन्होंने हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। सिविल अस्पताल में तीनों घायलों का उपचार ड्यूटी डॉक्टर साहिल गर्ग की निगरानी में किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन ने तीनों की मेडिकल रिपोर्ट तैयार कर संबंधित थाने को भेज दी है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही मारपीट और चोरी के आरोपों की सच्चाई सामने आ पाएगी।

पंजाब में 27 अगस्त को ठप हो सकता है सरकारी काम, 5 लाख कर्मचारियों के अवकाश से पहले एक्शन में सरकार; बुलाई बैठक

सरकार ने 27 अगस्त के सामूहिक अवकाश से पहले कर्मचारी संगठनों को बातचीत के लिए बुलाया

चंडीगढ़। पंजाब के लाखों सरकारी कर्मचारियों की ओर से 27 अगस्त को घोषित सामूहिक अवकाश के बीच पंजाब सरकार ने बातचीत की पहल की है। मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों को मंगलवार दोपहर 3:30 बजे बैठक के लिए बुलाया है। बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। कर्मचारी संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर 27 अगस्त को सरकारी विभागों में सामूहिक अवकाश लेकर कामकाज पूरी तरह ठप करने का फैसला किया है। अवकाश के लिए कर दिया आवेदन बताया जा रहा है कि करीब दो लाख कर्मचारियों ने सामूहिक अवकाश के लिए आवेदन कर दिया है। संगठनों का दावा है कि राज्य में करीब पांच लाख कर्मचारियों के सामूहिक अवकाश पर रहने की संभावना है। ऐसे में सरकारी कामकाज और आम लोगों से जुड़े सेवाओं पर व्यापक असर पड़ सकता है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में लंबित महंगाई भत्ता (डीए) जारी करना और कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना शामिल है। इसके अलावा कर्मचारी संगठन अन्य लंबित मांगों को लेकर भी सरकार पर दबाव बना रहे हैं। 27 अगस्त को अवकाश पर रहेंगे कर्मचारी वहीं, पंजाब के विभिन्न जिलों में डीसी कार्यालयों में तैनात मिनिस्ट्रियल स्टाफ पिछले कई दिनों से हड़ताल पर है। कर्मचारियों के आंदोलन के कारण पहले से ही प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। यदि 27 अगस्त को बड़ी संख्या में कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहते हैं तो आम लोगों को सरकारी कार्यालयों में अपने काम करवाने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों में भी सामूहिक अवकाश का असर पड़ने की आशंका है।

अब सभी की नजरें आज होने वाली बैठक पर हैं। कर्मचारी संगठनों और सरकार के बीच सहमति बनती है या 27 अगस्त का सामूहिक अवकाश जारी रहता है, इसका फैसला बैठक के बाद स्पष्ट होगा। पंजाब सरकार बातचीत कर 27 के सामूहिक अवकाश को वापस लेने के लिए पूरी तैयारी में है।

बीएल संतोष का पंजाब दौरा: लुधियाना में पार्टी कार्यकर्ताओं से की बैठक, क्या बोले भाजपा नेता एचएस फूलका?

बीजेपी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कहा भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की, सभी ग्राउंड रिपोर्ट्स की समीक्षा की और आगामी चुनावों के लिए हमारी भूमिकाओं पर चर्चा की। यह बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक थी, जिसमें काफी उत्साह था। बीजेपी अगले विधानसभा चुनावों में पंजाब में सरकार बनाएगी। कांग्रेस के सज्जन कुमार पर रुख के बारे में उन्होंने कहा जब तक सज्जन कुमार को जेल नहीं भेजा गया, कांग्रेस लगातार उनका पक्ष लेती रही। कई वर्षों तक उन्हें कोई जवाबदेही या सजा नहीं मिली। उन्हें तीन बार सांसद बनाया गया, उनके भाई को भी सांसद बनाया गया। जब मोदी सरकार सत्ता में आई, तो न्याय दिलाने के लिए सरकारी तंत्र की पूरी ताकत लगाई गई। मैंने विपक्ष के नेता पद से इस्तीफा देने के बाद यह मामला लड़ा। फिर उन्हें सजा हुई। उन्होंने जमानत या पैरोल पर बाहर आने की बहुत कोशिश की, लेकिन हमने हर बार विरोध किया और अंततः उनकी जेल में ही मृत्यु हो गई। बता दें कि बीएल संतोष अपने दो दिवसीय संगठनात्मक प्रवास पर पंजाब पहुंचे हैं। उन्होंने पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर आगामी चुनाव लड़ने और प्रदेश में सरकार बनाने का लक्ष्य रखा है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने बीते दिन सोमवार पटियाला में एक क्षेत्रीय बैठक में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि पंजाब बदलाव के लिए तैयार है और भाजपा इसे साकार करने के लिए कृतसंकल्प है।

लुधियाना में किसान का घर सील: अदालत के आदेश पर हुई कार्रवाई, 46 लाख रुपये का कर्ज था बकाया

लुधियाना ग्रामीण के गांव टूसा में मंगलवार तड़के भारी पुलिस बल की मौजूदगी में एक किसान का घर सील कर दिया गया। यह कार्रवाई अदालत के आदेश पर कर्ज वसूली के लिए की गई। किसान प्यारा सिंह पर करीब 46.28 लाख रुपये का ऋण बकाया था। सुबह पुलिस ने गांव को चारों तरफ से घेर लिया था और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। शुरूआत में गांव में सनसनी फैल गई, लेकिन आधे घंटे बाद स्पष्ट हुआ कि यह मामला कर्ज वसूली का है। रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और औथम इंवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अधिकारियों को विरोध की आशंका के चलते पुलिस सुरक्षा दी गई थी। प्यारा सिंह, उनकी पत्नी सुरिंदर कौर और परिवार के अन्य सदस्यों पर कुल 32.07 लाख रुपये की वसूली का मामला था। ब्याज बढ़ने के कारण यह राशि 46.28 लाख रुपये तक पहुंच गई। लुधियाना की एक अदालत ने सोमवार को मकान खाली कराने का आदेश दिया था। कार्रवाई के दौरान प्यारा सिंह के परिवार को घर से बाहर कर दिया गया। इसके बाद मकान पर सरकारी सील लगाकर ताला लगा दिया गया। किसान संगठनों का विरोध और परिवार की स्थिति कई किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं ने टूसा पहुंचने का प्रयास किया। हालांकि, भारी पुलिस बल के कारण उन्हें गांव में प्रवेश नहीं करने दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्यारा सिंह परिवार को उम्मीद थी कि किसान संगठन उनका समर्थन करेंगे। परिवार ने पहले करीब दो एकड़ जमीन बेच दी थी और अब ठेके पर खेती करता था। यह घटना देश के किसानों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाती है। खेती से होने वाली आय अक्सर कर्ज की किस्तों और ब्याज का बोझ उठाने में सक्षम नहीं होती। महंगे बीज, खाद और अन्य खर्च किसानों को कर्ज के जाल में फंसा देते हैं। जब कर्ज वसूली घर की चौखट तक पहुंचती है, तो एक पूरा परिवार प्रभावित होता है।

चंडीगढ़ में पांच लाख लोगों को राहत की उम्मीद, सीएचबी मकानों में किए बदलावों को नियमित करने की उठी मांग

चंडीगढ़। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के मकानों में परिवारों की जरूरत के अनुसार किए गए बदलावों को एकमुश्त नियमित करने की मांग उठी है। चंडीगढ़ रेजिडेंट्स वेलफेयर फेडरेशन (क्रॉफ़्ड) ने सीएचबी से इसके लिए व्यापक और पारदर्शी नियमितीकरण नीति लागू करने की मांग की है। फेडरेशन का कहना है कि बोर्ड की करीब 62 हजार से 68 हजार आवासीय इकाइयों में से 80 से 90 प्रतिशत में किसी न किसी तरह के आवश्यकता-आधारित बदलाव किए गए हैं। इससे करीब पांच लाख निवासी प्रभावित होते हैं। क्रॉफ़्ड के महासचिव डॉ. अनीश गर्ग ने कहा कि अधिकांश बदलाव परिवारों के बढ़ते आकार, बुजुर्गों की देखभाल, निजता, भंडारण और बेहतर रोशनी व वेंटिलेशन जैसी जरूरतों को देखते हुए समय के साथ किए गए। इनमें अतिरिक्त कमरे और शौचालय बनाना बालकनी का उपयोग, आंगन को कवर करना और घर के भीतर किए गए अन्य बदलाव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग समय पर नियमों और नीतियों में बदलाव होने के कारण ऐसे निवासी भी कानूनी असमंजस में फंस गए हैं, जिन्होंने उस समय लागू नियमों के अनुसार अपने मकानों में बदलाव किए थे। ऐसे में अब एकमुश्त समाधान निकालने की जरूरत है। दिल्ली की 1999 की नीति की तर्ज पर हो नियमितीकरण क्रॉफ़्ड ने दिल्ली की वर्ष 1999 की नियमितीकरण नीति की तर्ज पर चंडीगढ़ में भी एकमुश्त नियमितीकरण नीति लागू करने का सुझाव दिया है। फेडरेशन के मुताबिक आवंटित प्लॉट या भवन की निर्धारित सीमा के भीतर किए गए गैर-अतिक्रमणकारी बदलावों को उचित शुल्क और संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणपत्र के आधार पर नियमित किया जा सकता है। सरकारी जमीन पर कब्जा स्वीकार्य नहीं डॉ. गर्ग ने कहा कि सरकारी अथवा साझा भूमि पर अतिक्रमण को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, मकान की निर्धारित सीमा के भीतर परिवार की सामान्य जरूरतों के लिए किए गए बदलावों के प्रति व्यावहारिक और मानवीय दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। मकान के हस्तांतरण और म्यूटेशन में न बने बाधा फेडरेशन ने यह भी मांग की कि भवन संबंधी पुराने उल्लंघनों को संपत्ति के हस्तांतरण और म्यूटेशन से अलग रखा जाए। इससे निवासियों को संपत्ति बेचने, उपहार देने या विरासत में हस्तांतरित करने के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आरडब्ल्यूए को शामिल करने की मांग क्रॉफ़्ड ने नियमितीकरण नीति तैयार करने में रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) को शामिल करने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट शुल्क, पर्याप्त नोटिस अवधि, ऑनलाइन आवेदन की सुविधा और पारदर्शी मानक संचालन प्रक्रिया तय करने का सुझाव दिया है।

'गुजरात के और पंजाब के स्कूलों की करा लें जांच', अरविंद केजरीवाल का इखढ को खुला चैलेंज

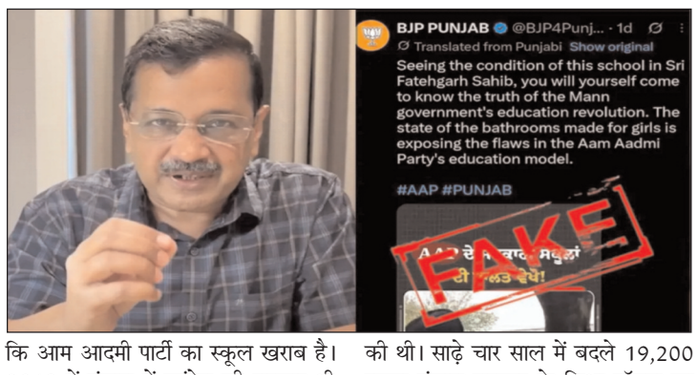

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। एक वीडियो संदेश जारी कर केजरीवाल ने बीजेपी नेतृत्व को खुली चुनौती दी है कि वे गुजरात के 1,000 और पंजाब के 1,000 सरकारी स्कूलों की संयुक्त जांच करा लें, ताकि पूरा देश देख सके कि कहां की शिक्षा व्यवस्था बेहतर है। पंजाब के स्कूलों को बदनाम करने में जुटी बीजेपी वीडियो संदेश में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आजकल बीजेपी वाले पंजाब के स्कूलों को बदनाम करने में लगे हुए हैं। मैं बीजेपी को चैलेंज करता हूं। 30 साल से आपकी गुजरात में सरकार है और साढ़े चार साल से हमारी पंजाब में सरकार है। पंजाब के 1000 स्कूलों की लिस्ट मैं देता हूं और गुजरात के 1,000 स्कूलों की लिस्ट आप दो। पूरा मीडिया साथ चलेगा, बीजेपी वाले भी आएं और हम भी जाएंगे। दोनों राज्यों के स्कूलों का इंस्पेक्शन करते हैं कि कौन से अच्छे हैं।पुराने वीडियो और फर्जी तस्वीरों का लगाया आरोप केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब से विपक्षी दलों ने बीजेपी शासित राज्यों के स्कूलों की बदहाली उजागर करनी शुरू की है, तब से बीजेपी पंजाब के स्कूलों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि इन्होंने अपने स्कूल तो ठीक नहीं किए, लेकिन पंजाब के स्कूलों को बदनाम करना शुरू कर दिया। ये लोग 2018 का वीडियो चलाकर कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी का स्कूल खराब है। 2018 में पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी और 2017 तक बीजेपी की साझेदारी वाली सरकार थी, उन्होंने स्कूलों की ऐसी हालत की थी। साढ़े चार साल में बदले 19,200 स्कूल पंजाब सरकार के शिक्षा मॉडल का ब्योरा देते हुए केजरीवाल ने बताया कि राज्य में कुल लगभग 19,700 सरकारी स्कूल हैं। इनमें से 19,200 से अधिक स्कूलों का कायाकल्प कर उन्हें बेहद शानदार बना दिया गया है। शेष बचे 500 स्कूलों का जीर्णोद्धार जारी है, जो अगले डेढ़ से दो साल के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के सरकारी स्कूलों को सुधारने का काम किसी एक पार्टी ने नहीं, बल्कि वहां के शिक्षकों, प्रिंसिपलों, बच्चों और अभिभावकों ने मिलकर किया है।

उन्होंने अपील की कि पुरानी तस्वीरों, अक डॉक्टर्ड वीडियो और भ्रामक पोस्ट के जरिए पंजाब की जनता और शिक्षकों के प्रयासों का अपमान न किया जाए। केजरीवाल ने अपनी बात का अंत करते हुए दोहराया कि यदि बीजेपी में हिम्मत है

पठानकोट में हंगामा: 200 फुट ऊंचे हाई-वोल्टेज खंभे पर चढ़े दो बुजुर्ग, मांगें पूरी न होने पर उठाया कदम

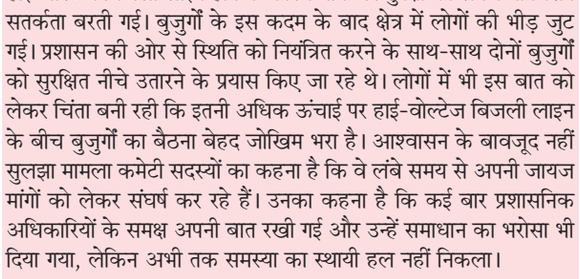

पठानकोट के विधानसभा हलका सुजानपुर के अधीन आते माधोपुर क्षेत्र में मंगलवार को उस समय प्रशासन में हड़कंप मच गया, जब अपनी मांगों को लेकर डैम बैराज औसती संघर्ष कमेटी जैनी जुगियाल के दो बुजुर्ग करीब 200 फुट ऊंचे हाई-वोल्टेज बिजली के खंभे पर चढ़ गए। दोनों बुजुर्ग खंभे के ऊपरी हिस्से में जाकर बैठ गए और अपनी मांगों को लेकर विरोध जताने लगे। जानकारी के अनुसार डैम बैराज औसती संघर्ष कमेटी जैनी जुगियाल से संबंधित कुलविंदर सिंह (81) और शर्म सिंह (85) मंगलवार को माधोपुर में डीसी पठानकोट के आवास के पास स्थित हाई-वोल्टेज बिजली के खंभे पर चढ़ गए। करीब 200 फुट की ऊंचाई पर दोनों बुजुर्गों के पहुंचने की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस में हड़कंप मच गया। पहले भी कई बार कर चुके हैं विरोध बताया जा रहा है कि दोनों बुजुर्ग अपनी मांगों को लेकर पहले भी इस तरह का विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इससे पहले वे टावर और पानी की टंकियों पर चढ़कर प्रशासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर खींच चुके हैं। इतना ही नहीं, उक्त बुजुर्ग इससे पहले भी दो बार बिजली के खंभे पर चढ़ चुके हैं। कमेटी सदस्यों का आरोप है कि हर बार प्रशासन की ओर से उनकी मांगों को लेकर आश्वासन दिया जाता रहा, लेकिन लंबे समय से उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। इसी के चलते उन्होंने दोबारा ऊंचाई पर चढ़कर विरोध जताने का फैसला लिया। मौके पर पहुंचा प्रशासन हाई-वोल्टेज खंभे पर दो बुजुर्गों के चढ़ने की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की ओर से दोनों बुजुर्गों को नीचे उतरने के लिए समझाने का प्रयास किया गया। वहीं, हाई-वोल्टेज बिजली लाइन होने के कारण मौके पर सुरक्षा को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती गई। बुजुर्गों के इस कदम के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। प्रशासन की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के साथ-साथ दोनों बुजुर्गों को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास किए जा रहे थे। लोगों में भी इस बात को लेकर चिंता बनी रही कि इतनी अधिक ऊंचाई पर हाई-वोल्टेज बिजली लाइन के बीच बुजुर्गों का बैठना बेहद जोखिम भरा है। आश्वासन के बावजूद नहीं सुलझा मामला कमेटी सदस्यों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उनका कहना है कि कई बार प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखी गई और उन्हें समाधान का भरोसा भी दिया गया, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी हल नहीं निकला।

जानकारी

बाथरूम, टॉयलेट और किचन की सफाई के लिए ब्लीच वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

हाल ही में की गई एक स्टडी से मालूम पड़ा है कि जो लोग अपने घर की साफ-सफाई में ब्लीच क्लीनर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके घर की हवा प्रदूषित हो रही है। ऐसे घर की हवाओं में कई बीमारियां पल रही हैं, जिसका ध्यान न रखा जाए तो आप भी इसके शिकार हो सकते हैं। क्या आप अपने घर की साफ-सफाई का बहुत ख्याल रखते हैं। अपने घर के टॉयलेट्स, फर्श और वॉश-बेसिन को अच्छे क्लीनर्स और ब्लीच का इस्तेमाल करके साफ करते हैं, तो इस साफ-सफाई के साथ आप अपने घर की हवाओं को प्रदूषित कर रहे हैं। जी हां, इसे सुनकर हैरान न हों क्योंकि यह हम नहीं, हाल ही में की गई एक स्टडी बता रही है। हाल ही में की गई एक स्टडी का मानें तो, जिन लोगों को हर कुछ दिन बाद सर्दी-जुकाम हो जाता है, उनके पीछे आपके घर में इस्तेमाल किए जाने वाले क्लीनर्स हो सकते हैं। दरअसल आपके क्लीनर्स में मिले हुए ब्लीच कमपाउंड, घर में पहले से ही उपस्थित कुछ कणों के जैसे सिट्रस कमपाउंड के साथ मिलकर स्मॉग का रूप ले लेते हैं। यह वही स्मोग के कण हैं, जिसे हम प्रदूषण के उच्च रूप में देखते हैं। इस कमपाउंड के बनने को साइंस की भाषा में 'लिमोनेन' कहा जाता है और आमतौर पर बाहरी स्मोग के अपेक्षाकृत हल्का होता है। यह स्मोग हमारे आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा के लिए परेशानी का करण बन सकता है। दरअसल ब्लीच की गंध भी कुछ इंफेक्शन का कारण हो सकते हैं। खासकर ठंड और फ्लू के मौसम के दौरान यह ब्लीच की गंध कई बीमारियों का कारण बन सकती है।

आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा को पहुंचा सकते हैं नुकसान

शोधकर्ताओं के एक समूह ने पाया कि जब ब्लीच धुआं कई घरेलू क्लीनर में पाए जाने वाले सिट्रस कंपाउंड के साथ मिल जाता है, तो यह आपके और आपके पालतू जानवरों के लिए हानिकारक हवाई कण बना सकता है। इस साइट्रस कमपाउंड को लिमोनेन के रूप में जाना जाता है। यह हजारों सफाई उत्पादों और एयर फ्रेशनर्स में पाया जाता है, और कुछ लकड़ी के सामानों में भी पाया जाता है। हालांकि बड़ी मात्रा में इनका संपर्क त्वचा, आंखों, गले और फेफड़ों को परेशान कर सकता है। हवा की उपस्थिति में, यह यौगिक बनाने के लिए ऑक्सीकरण कर सकता है जो त्वचा की एलर्जी का कारण बनता है।

इनडोर वायु गुणवत्ता को करती है प्रभावित

वीओसी (VOC) कई घरेलू उत्पादों द्वारा उत्सर्जित गैसें हैं और यह इनडोर एयर गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। इस हवा का नुकसान यह होता है कि यह हवा में घूमते रहते हैं और घर की सतहों से चिपक जाते हैं। क्योंकि ब्लीच और लिमोनेन वाले उत्पादों का उपयोग अक्सर एक ही इनडोर में किया जाता है। इसे देखकर 'टोरंटो विश्वविद्यालय' और 'पेनसिल्वेनिया के बकनेल विश्वविद्यालय' के शोधकर्ताओं ने देखा कि इन रसायनों के संयुक्त होने पर घर की हवाओं में क्या असर हुआ? तो शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्लीच-आधारित क्लीनर के उपयोग के दौरान और बाद में, उच्च मात्रा में हाइपोक्लोरस एसिड और क्लोरीन गैसें निकलती हैं, जो हमारे घर के इनडोर वातावरण में जल्दी से मिल कर अन्य हानिकारक गैसों का निर्माण करती हैं।

ब्लड के जरिए बॉडी में सर्कुलेट करते हैं हानिकारक कण

फ्लोरोसेंट लाइट या सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर, यह कमपाउंड कार्बनिक एरोसोल (SOAs) बनाते हैं। एसओएएस की ही वजह से स्मॉग बनना शुरू होता है। जब कण काफी छोटे होते हैं, तो वे फेफड़ों के अंदर जा सकते हैं और खाँसी और सांस की तकलीफ जैसे अल्पकालिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। बहुत महीन कण फेफड़ों के माध्यम से ब्लड में सर्कुलेट होती हैं, जिससे आगे जाकर ब्लड-इंफेक्शन आदि की भी परेशानी हो सकती है।

हार्ट अटैक होने का खतरा

पार्टिकुलेट मैटर के नियमित संपर्क से हार्ट अटैक और सांस लेने में तकलीफ जैसी स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। मौजूदा हृदय रोग, अस्थमा, या अन्य फेफड़ों की स्थिति वाले लोग के लिए यह और अधिक हानिकारक हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे क्लीनर्स का इस्तेमाल करने से बचें, जिनमें ज्यादा मात्रा में ब्लीच कमपाउड्स हैं।

इन चीजों से करें घर की साफ-सफाई

- आप एक साधारण क्लीनर जैसे सिरका, पानी या बेकिंग सोडा को क्लीनर के रूप में चुन सकते हैं।■ खुशबू, अमोनिया और ब्लीच से मुक्त सफाई उत्पादों को चुनें।
- ग्रीन सील या इको लोगो द्वारा प्रमाणित उत्पादों की तलाश करें औप उन्हीं का सफाई में प्रयोग करें।

इस मौसम में त्वचा, बाल और नाखून पर फफूंद से इन्फेक्शन का खतरा

फंगस से होने वाले इन्फेक्शन पनपकर परेशानियों का सबब बन सकते हैं। आप जितना इन्फेक्शन को छिपाने की कोशिश करेंगी, जैसे मोजे या जूतों के भीतर, स्थिति उतनी ही खराब होती जाएगी। डॉक्टर अर्चना निरूला के अनुसार त्वचा, बालों और नाखूनों में तीन तरह के फंगस के कारण इन्फेक्शन होता है। यह होते हैं-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो जिंदा रहने के लिए प्रोटीन केरेटिन का इस्तेमाल करते हैं, केंडिडा एल्बिकन्स, यह अधिकांशतः बच्चों के कूल्हों, नाखूनों, नाखून के पास त्वचा की परतों में पाए जाते हैं, और नॉन-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो आमतौर पर चोट के कारण क्षतिग्रस्त पैरों की उंगलियों के नाखूनों पर हमला करते हैं।

लगातार बारिश और दिनों के गर्म और उमस भरे होने के कारण मानसून का मौसम फफूंद (फंगस) के बढ़ने के लिए माकूल होता है। शरीर के भीतर फंगस से होने वाले (फंगल) इन्फेक्शन के अलावा बारिश के मौसम में त्वचा, बालों और नाखूनों में भी यह इन्फेक्शन बढ़ जाता है।

पांच सबसे आम फंगल इन्फेक्शन

रिंगवर्म: यह एक संक्रामक फंगल इन्फेक्शन होता है, दाद (रिंगवर्म) बांहों, पैरों की त्वचा के केरेटिन को खा जाता है। यह शरीर के किसी भी भाग पर हमला कर सकता है। यह इन्फेक्टेड व्यक्ति या पशु के संपर्क में आने से फैलता है। एक सामान्य दाद में छल्ले के आकार के लाल घाव बन जाते हैं और त्वचा सूखी, खुजली वाली और कटी-फटी हो जाती है। अधिकांश मामलों में आसानी से मिल जाने वाली एंटी-फंगल क्रीम्स, जेल या स्प्रे के इस्तेमाल से इन्फेक्शन से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। सामान्यतया रिंगवर्म इन्फेक्शन कुछ हफ्तों में ठीक हो जाता है, अगर यह लंबा खींच रहा हो तो कृपया डॉक्टर से संपर्क करें।

एथलीट्स फुट: जैसा कि नाम से पता चलता है एथलीट्स फुट खिलाड़ियों में होने वाला एक सामान्य फंगल इन्फेक्शन है। यह रिंगवर्म फैलाने वाली प्रजाति द्वारा ही फैलाया जाता है और आमतौर पर इसकी शुरुआत पैरों की उंगलियों से होती है और यह पूरे पैर में फैल जाता है। रिंगवर्म की ही तरह इसमें भी खुजली, त्वचा का कट-फट जाना और त्वचा का उखड़ना देखने को मिलता है। आसानी से मिल जाने वाली माइकोनेजोल और टर्बिनेफिन जैसी दवाएं इन्फेक्शन के इलाज में सहायक होती हैं । चाय के पेड़ का तेल लगाने या नमक वाले गर्म पानी में पैर रखने जैसे घरेलू उपचारों से भी लक्षणों में राहत मिल सकती है। हालांकि यह गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन अगर इलाज नहीं किया गया तो यह गंभीर रूप लेकर बहुत दर्दनाक भी हो जाती है।

नाखून का इन्फेक्शन: ओनिकोमायकॉसिस के कारण नाखून पीले और कटे-फटे हो जाते हैं। अमेरिकन अकादमी ऑफ डर्मेटॉलॉजी के मुताबिक पैर के नाखूनों को हाथ के नाखूनों की तुलना में इन्फेक्शन का ज्यादा खतरा होता है। इसकी वजह धीरे-धीरे बढ़ना, खून की कम आपूर्ति और जूतों के भीतर बंद रहना होता है। सामान्य रूप से मिल जाने वाली दवाएं इस मामले में कम कारगर साबित होती हैं। आपका डॉक्टर इन्फेक्शन के इलाज के लिए मुंह से ली जाने वाली एंटीफंगल दवाएं दे सकता है। विक्स वेपोरब लगाने जैसे घरेलू उपचार लक्षणों में हल्की राहत दे सकते हैं।

टिनिया कैपिटिस: इसे खोपड़ी का दाद (रिंगवर्म ऑफ स्केल्प) भी कहा जाता है। यह बच्चों में आम होता है। इसमें केरियोन-बड़ा दर्द देने वाला घाव प्रमुखता से देखने को मिलता है। यह खोपड़ी पर सफेद धब्बों और अंततः बालों के झड़ने की वजह बन सकता है। इस बीमारी के लक्षणों में लालिमा, सूजन, परतें बन जाना और बाल झड़ना मुख्य लक्षण हैं। टिनिया कैपिटिस का इलाज ग्रिसेयोफल्विन और इट्राकोनेजोल जैसी एंटीफंगल दवाओं के व्यवस्थित इस्तेमाल से किया जा सकता है। इसके अलावा डॉक्टर, फंगस के फैलाव को रोकने के लिए मेडिकेटेड शैम्पू के इस्तेमाल की भी सिफारिश कर सकते हैं। इलाज न किए जाने पर यह इन्फेक्शन गंभीर रूप ले लेता है और सूजन के अलावा बालों के स्थायी नुकसान की भी वजह बन सकता है।

जॉक इच: पेट और जांघ के बीच (ग्रॉइन) में यह इन्फेक्शन आमतौर पर पुरुषों को होता है। लक्षणों में चकत्ते होते हैं जो जांघ, कूल्हों और ग्रॉइन में फैल जाते हैं, खुजली से त्वचा परतदार और खुरदुरी हो जाती है। नेफ्टिफिन, सिस्लोपायरॉक्स और माइकोनेजोल जैसे एंटीफंगल लगाने पड़ते हैं। पैर की उंगलियों के फंगस की तरह जॉक इच के भी बार-बार होने की आशंका रहती है। ढीले कपड़े पहनना, नियमित तौर पर शरीर की सफाई, शरीर के फोल्ड्स (जैसे जांघ और पेट के बीच) को सूखा रखना, इन्फेक्शन से बचने में मदद कर सकता है। यहां पर चर्चा किए गए अन्य इन्फेक्शनों की ही तरह जैक इच भी गंभीर नहीं है, लेकिन अगर चकत्ते बड़े हो जाएं तो डॉक्टर से संपर्क किया जाना चाहिए। डॉक्टर का कहना अपनी त्वचा को सूखा रखें। अगर आप बारिश में गीले हो जाएं तो घर लौटते ही तत्काल कपड़े बदलें। जैसा कि हम सभी जानते हैं हर रोज साफ और ताजे मोजे व अंडरवियर पहनना कितना महत्वपूर्ण है। तो जब तक हम इन साधारण से नियमों का पालन करते हैं, मानसून हमारे लिए मुश्किल का सबब नहीं होगा।

सेहत

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर

जाने लक्षण व इलाज

जब ब्रेस्ट कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलने लगता है और इससे स्तन के साथ-साथ उसके पास के लिम्फ नोड्स में फैलने लगता है तो इससे मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। सबसे आम जगहों पर यह लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलता है।

ब्रेस्ट कैंसर आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। हालात यह है कि भारत में हर 28 में से एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर का खतरा है, लेकिन फिर भी बहुत से लोग इसके बारे में पूरी तरह से नहीं जानते। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर (metastatic breast cancer) भी एक ऐसा ही कैंसर है। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर शब्द शायद बहुत से लोगों के लिए एकदम नया हो। इसे ब्रेस्ट कैंसर का एक फैला हुआ रूप कहा जा सकता है। यह स्तन कैंसर की IV या एडवांस स्टेज है, यह कोई विशिष्ट प्रकार का स्तन कैंसर नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर की मोस्ट एडवांस स्टेज है। जब ब्रेस्ट कैंसर आपके स्तनों के पास लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलने लगता है तो यह स्टेज मेटास्टैटिक कही जाती है। कई मामलों में इस स्टेज पर ब्रेस्ट कैंसर का उपचार पूरी तरह नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी कुछ तरीकों से इसे प्रबंधित किया जा सकता है।

कैंसर के लक्षण

- मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि यह शरीर के किस हिस्से में फैला है। अलग-अलग हिस्सों पर इसका प्रभाव अलग तरह से नजर आता है। जैसे-
- जब स्तन कैंसर हड्डियों तक फैलता है तो इसे बोन मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को अचानक दर्द का अहसास होता है। यह रिब्स, स्पाइन, पेल्विस और हाथ व पैर की लंबी हड्डियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।
- ब्रेस्ट कैंसर के फेफड़ों पर फैलने पर उसे लंग मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को फेफड़े में दर्द या बेचैनी, सांस की तकलीफ, लगातार खांसी और अन्य कुछ लक्षण नजर आते हैं।
- दिमाग में फैलने वाले स्तन कैंसर के लक्षणों में सिरदर्द, देखने व बोलने की क्षमता का प्रभावित होना, मेमोरी समस्या व अन्य कुछ लक्षण हो सकते हैं।
- लिवर मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर होने पर व्यक्ति को मिड सेक्शन में दर्द का अहसास होता है। इसके अतिरिक्तद व्यक्ति को थकान और कमजोरी, वजन कम होना या भूख की कमी व बुखार जैसे लक्षण नजर आते हैं।

इलाज

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर का पता चल जाने के बाद उसके इलाज के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। इसके लिए आप अपने डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। इलाज के तरीकों में प्रमुख हैं-

सर्जरी

कुछ मामलों में मेटास्टैटिक स्तन कैंसर होने पर सर्जरी की सलाह दी जाती है। खासतौर से, हड्डियों को टूटने से बचाने या लिवर में कैंसर सेल को रोकने के लिए सर्जरी को एक अच्छा उपचार माना जाता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी का उपयोग मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के उपचार में किया जाता है ताकि कैंसर कोशिकाओं को जितना संभव हो उतना नष्ट किया जा सके।

रेडिएशन थेरेपी

कैंसरयुक्त कोशिकाओं को नष्ट करने और कैंसर को फिर से होने से रोकने के लिए रेडिएशन थेरेपी करने की सलाह दी जाती है। रेडिएशन थेरेपी के बिना कैंसर फिर से होने की आशंका 25 प्रतिशत बढ़ जाती है। रेडिएशन थेरेपी के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है व दर्द से भी काफी हद तक राहत पाई जा सकती है।

हार्मोनल थेरेपी

हार्मोनल थेरेपी दवाओं का उपयोग हार्मोन-रिसेप्टर पॉजिटिव मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर के विकास को कम करने में मदद करने के लिए किया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी

टागरेटेड थेरेपी में कैंसर सेल्स को ब्लॉक करके केवल उसे नष्ट किया जाता है। इस थेरेपी के प्रयोग का एक लाभ यह है कि इससे स्वस्थ कोशिकाओं को किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3989

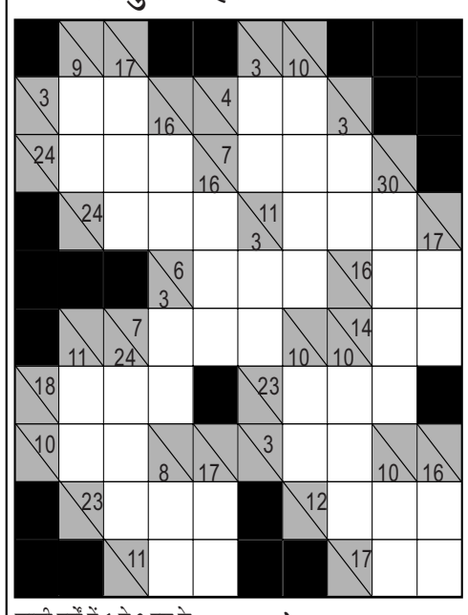

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

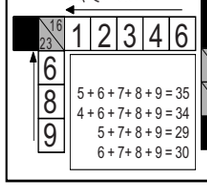

काकुरो -3988 का हल

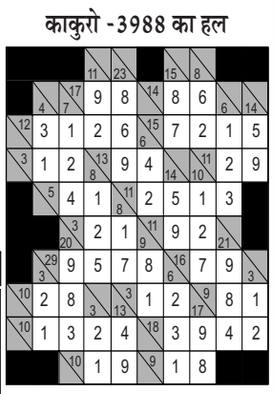

हंसी के फव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था,'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे.....'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी,'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा,'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते,'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3989

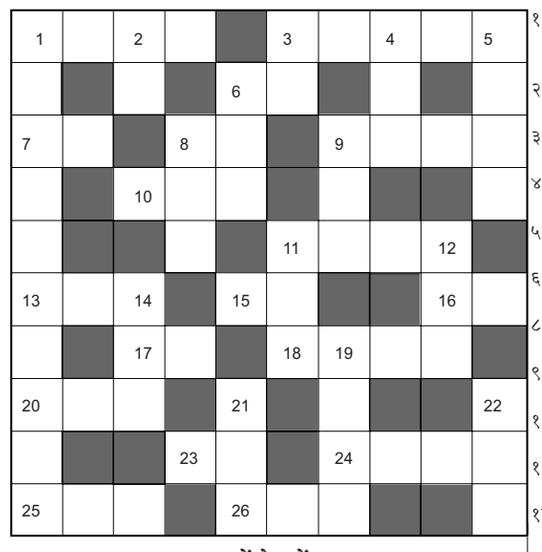

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3988

म	र्या	दा	■	ब	व	ड	र	■	ओ
हा	■	दी	वा	ना	■	र	ख	वा	ला
न	ई	माँ	■	र	क्त	■	वा	■	द
■	श्व	■	द	स	■	पा	ले	खाँ	■
स	र	ग	म	■	खा	की	■	■	ध
ड़	■	द	■	ज्ञ	■	जा	न	व	र
क	श्मी	र	की	क	ली	■	क्शा	■	ती
■	■	■	म	■	ला	खा	■	ना	■
इ	जा	ज	त	■	■	मो	ह	ग	■
श्क	■	खमी	■	त	ला	शी	■	ज	ख्म

सूडोकु -3989

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3988 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3989

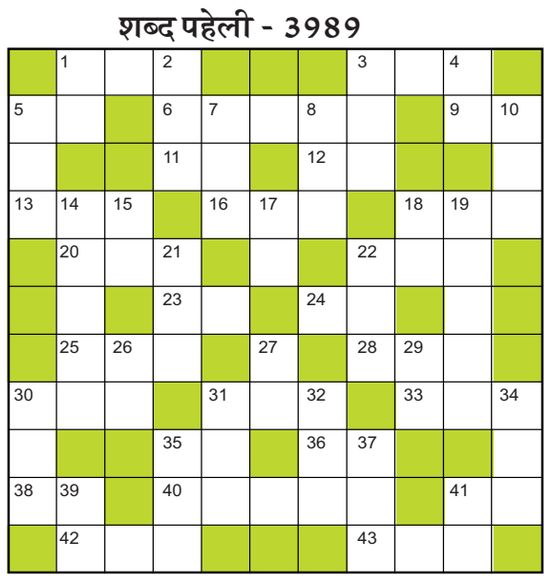

बाएँ से दाएँ

1. सेवक,दास-3
3. निवास करना-3
5. खुजली-2
6. परोपकारी-5
9. प्याला,जाम-2
11. टोंटी,नलका-2
12. आनंद,जूस-2
13. प्रतिज्ञा,शपथ-3
16. सिमरन,सुमरन-3
18. सुअर-3
20. पेन,लेखनी-3
22. कमल,जलज-3
23. क्रोध,गुस्सा-2
24. पाश,फंदा-2
25. शोषण करना-3
28. गौरव,प्रशंसा-3
30. सूत कातने का साधन-3
31. गौरव-3
33. देवर्षि-3
35. अंधकार-2
36. यमराज-2
38. अलमस्त-2
40. सलाह देने वाला-5
41. बीता दिन-2
42. रसदार-3
43. इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1. उर्वरक-2
2. विशाल,श्रेष्ठ-3
3. धनवान,संपन्न-3
4. घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5. दैत्य,असुर-3
7. मायाजाल-3
8. उद्धार,पार लगाना-3
10. शरण,आश्रय-3
14. चूर-चूर,ढहा-5
15. टोंटी,नलका-2
17. युद्ध,संग्राम-2
18. दूल्हा-2
19. राजपुत्र-5
21. मद्रास का समुद्र तट-3
22. नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26. मित्र,दोस्त.मीत-2
27. हूर,अप्सरा
29. मेहंदी-2
30. शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31. इसमें पौधा लगाते हैं-3
32. पीहर,नैहर-3
34. युक्तिवाद,पैरवी-3
35. टब,परात,तगारी-3
37. इच्छा-3
39. परत,तह-2
41. कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3988 का हल

क	म	ला	का	र	■	■	कु	रा	न	■
था	न	■	र	■	कै	ला	श	■	भ	ला
वा	■	■	खा	बिं	द	■	ल	■	■	य
च	म	क	ना	■	■	त	■	क	स	क
क	■	या	■	क	ल	क	ल	■	ली	■
■	आ	स	■	ल	■	रा	■	शा	म	■
■	रा	■	क	र	ता	र	■	म	■	ख
श	म	न	■	व	■	■	म	त	ल	ब
ह	■	■	म	■	दा	म	न	■	■	र
र	थ	■	ग	र	म	■	च	■	दा	दा
■	ल	की	र	■	■	स	ली	के	दा	र

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
बुधवार 26 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

हम नफरत के खिलाफ खड़े हों, वही सच्ची देशभक्ति

अपनी पहली हिंदी फिल्म 'रंग दे बसंती' हो या हालिया वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर', एक्टर सिद्धार्थ ने देशभक्ति वाली कहानियों और किरदारों में अलग ही छाप छोड़ी है। 'रंग दे बसंती' में शहीद भगत सिंह बने सिद्धार्थ इन दिनों 'ऑपरेशन सफेद सागर' में करगिल युद्ध में वीरगति पाने वाले स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। इसकी एक वजह शायद यह है कि सिद्धार्थ निजी तौर पर भी खुद को हर मायने में देशभक्त मानते हैं।

अपनी देशभक्ति को लेकर वह कहते हैं, 'मैं तो बचपन से अपने को देशभक्त मानता हूं, क्योंकि मैंने हमेशा सच बोला है। अगर मेरी आंखों के सामने कोई अन्याय हो रहा हो तो मैंने उसके खिलाफ आवाज उठाई है। मैं कभी टैक्स देने में झिझका नहीं हूं, तो मैं हर मायने में देशभक्त हूं। बाकी, मैं चाहता हूं कि आज हर तरफ जो नफरत की आग और आंधी फैल रही है, हम अगर उसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े हो जाएं तो मेरे हिसाब से वो बहुत बड़ी देशभक्ति की मिसाल होगी। मैं बस यही कहूंगा कि प्यार बढ़ाओ यार।'

ऐसी जांबाजी सबके बस की बात नहीं

क्या ऐसे देशभक्ति वाले किरदार करते वक्त उनके भीतर भी ऐसा जज़्बा जोर मारता है? यह पूछने पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'नहीं, ऐसा नहीं होता है। मैंने देशभक्ति वाले रोल पहले भी किए हैं, लेकिन मुझे कभी एक सेकेंड के लिए भी यह नहीं लगा कि काश मैं खुद भी ऐसा कर पाता। इसलिए नहीं कि मैं वो बनना नहीं चाहता, बल्कि मुझमें वो बात ही नहीं है। यह जुनून, यह जज़्बा बहुत कम लोगों में होता है। अगर मुझे एनडीए जॉइन करना पड़ता तो पहले तो मैं चश्मा पहनता था, इसलिए एनडीए में जा नहीं सकता, लेकिन चश्मा ना पहनता तब भी मैं शायद नहीं जाता, क्योंकि मुझमें वह बात ही नहीं है। इसलिए, मुझे कभी नहीं लगा कि मैं स्क्वॉड्रन लीडर अजय आहूजा बन गया हूं। मैं इस जन्म तो क्या, अगले जन्म में भी वैसा नहीं बन सकता। हम सिर्फ अदाकारी कर सकते हैं।'

हालांकि सिद्धार्थ इस भूमिका को निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी मानते हैं। बकौल सिद्धार्थ, 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी और एक भी दिन ऐसा नहीं बीता होगा जब वो जिम्मेदारी का अहसास हमें न हुआ हो। अच्छी बात यह रही कि इसकी रिसर्च बहुत तगड़ी थी तो उससे आधा काम हो गया। बाकी, आधा काम उनके परिवार वालों का आशीर्वाद ने कर दिया तो हम उम्मीद है कि आज की नई पीढ़ी इस साहस के बारे में देख-सुनकर इससे प्रेरित हो।'

धीमा सुनने वालों को धमाके की जरूरत

सिद्धार्थ ने कहा कि यह कहानी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगी, मगर क्या उन्हें लगता है कि आज के सोशल मीडिया के दौर में भी सिनेमाई कहानियां इतनी ताकतवर रह गई हैं कि लोगों की सोच बदल सकें? इस पर सिद्धार्थ कहते हैं, 'ये बहादुरी का किस्सा है और हमारी हजारों साल की परंपरा रही है कि हम बच्चों को कहानियां सुनाकर सुलाते हैं, उन्हें बड़ा करते हैं तो जब तक इंसान के बच्चे हैं, तब तक ऐसी कहानियां प्रासंगिक रहेंगी। इनकी बहुत जरूरत है और ये आनी चाहिए, क्योंकि ये सोशल मीडिया वाली बहुत जरूरी बात कही आपने। जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो कुछ पचास हजार लोगों में एक बंदा किताब पढ़ता था। आज साढ़े 5 लाख में एक बंदा किताब पढ़ता है। इंटरनेट पर सबकुछ है, लेकिन वहां पढ़ने-जानने की इच्छा किसी में नहीं है।'

मालामाल वीकली 2 में बतौर एक्टर डेब्यू कर रहे हैं एल्विश यादव

एल्विश यादव अब जल्द ही बॉलीवुड में बतौर एक्टर डेब्यू करने वाले हैं। यूट्यूबर से रियलिटी शो स्टार और अब बॉलीवुड एक्टर तक का उनका सफर काफी खास रहा है। एल्विश ने अपने एक्स अकाउंट पर फैंस का शुक्रिया अदा किया और कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, अपने फैंस के प्यार और सपोर्ट की वजह से हैं।

एल्विश ने फैंस के लिए लिखा खास मैसेज

एल्विश ने अपनी नई फिल्म का ऐलान करते हुए लिखा, 'नई फिल्म। नया सफर। मैं बाहर से आया हूं। बॉलीवुड में मेरा कोई नहीं था। आप लोगों के बीच से उठकर आया और आपके प्यार ने मुझे अब बड़े पर्दे तक पहुंचा दिया। आज जो कुछ भी हूं, आपके प्यार की वजह से हूं। और इसी प्यार की वजह से मैं 'मालामाल' हूं। बस प्यार बनाए रखना।'

इस फिल्म में नजर आएंगे एल्विश

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव फिल्म 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव भी दिखाई देंगे।

बता दें कि 'मालामाल वीकली' साल 2006 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को काफी सफलता मिली थी। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। इसमें परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और अरबाज खान जैसे कलाकार नजर आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मालामाल वीकली 2' में पहली फिल्म के तेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म में परिणीति चोपड़ा, रवीना टंडन और शिल्पा शिरोडकर को फीमेल कास्ट के तौर पर साइन किया गया है।

सगाई और रिलेशनशिप को लेकर पूजा बेदी ने की बात

पूजा बेदी ने हाल ही में रिलेशनशिप को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ कहा।

पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं। पूजा बोलीं. कई साल बीत जाने पर शादी को लेकर मेरी सोच में काफी बदलाव आया है। मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई को 8 साल हो जाने पर भी शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। मेरे लिए सगाई ही काफी है। शादी होना कोई जरुरी चीज नहीं है। ऐसा करने से कपल की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। वह अपनी-अपनी संपत्ति अपने बच्चों के लिए छोड़ सकते हैं। मैं आधिकारिक तौर पर शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं।

आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी-छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूं, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।'

पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से पहली शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (अलाया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई की है। बताते चलें पूजा बेदी ने 'जो जीता वही सिकंदर', 'लुटेरे', 'आतंक ही आतंक' और 'फिर तेरी कहानी याद आई' जैसी फिल्मों में काम किया है।

महाकाव्य श्री रामायण कथा में अहम भूमिका निभाएंगी अंजलि अरोड़ा

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला ने प्रोड्यूस किया है।

टॉक्सिक ने उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना सिखाया

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।' अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, क्यूरियस, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आई, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं।

नया शो ला रहीं एकता कपूर!

पहली बार नजर आएगी गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या की जोड़ी?

गौरव खन्ना बीते कई दिनों से अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के तलाक वाले बयान के बाद से सुर्खियों में हैं। वहीं श्रद्धा आर्या भी टीवी के जाने-माने चेहरों में से एक हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एकता कपूर के शो में नजर आ सकते हैं।

फैमिली ड्रामा का बन सकते हैं हिस्सा

खबरों के मुताबिक, दोनों एक्टर्स एकता कपूर के अपकमिंग रोमांटिक फैमिली ड्रामा का हिस्सा बन सकते हैं। यह शो स्टार प्लस पर आने की बात कही जा रही है। फिलहाल शो को लेकर मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रोजेक्ट अभी डेवलपमेंट और कास्टिंग स्टेज में है। अगर दोनों की कास्टिंग फाइनल होती है, तो यह पहली बार होगा जब गौरव और श्रद्धा किसी शो में साथ नजर आएंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शो एक रोमांटिक फैमिली ड्रामा होगा। कहानी में प्यार के साथ-साथ परिवार, रिश्ते और उनके बीच आने वाली परेशानियों को दिखाया जाएगा। इस शो को एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स तैयार कर रही है। फिलहाल मेकर्स शो के लिए बाकी कलाकारों की कास्टिंग पर भी काम कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।